सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 252 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 25 जून 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

आपातकाल के 50 वर्ष पूरे : पीएम मोदी बोले- वह दिन लोकतंत्र का काला अध्याय, कभी नहीं भूलेगा देश

प्रधानमंत्री ने संविधान हत्या दिवस पर लोकतंत्र के रक्षकों को दी श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली। आपातकाल लागू होने के पचास साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को उन अनगिनत भारतीयों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जो देश के इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक के दौरान लोकतंत्र की रक्षा में डटे रहे। संवैधानिक मूल्यों पर हुए गंभीर हमले को याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि 25 जून संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि आपात काल लोकतंत्र के लिए काला अध्याय है, इसे देश कभी नहीं भूलेगा। आपातकाल एक ऐसा दिन जब मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया था, प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दिया गया था और अनगिनत राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया था।

पीएम मोदी ने संविधान में निहित सिद्धांतों को मजबूत करने तथा विकसित भारत की कल्पना को साकार करने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि आपातकाल विरोधी आंदोलन एक सीखने वाला अनुभव था, जिसने हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को संरक्षित रखने के महत्व की पुष्टि की। पीएम मोदी ने आपातकाल के काले दिनों को याद रखने वाले या उस दौरान जिन परिवारों ने कष्ट सहा, उन सभी लोगों का आह्वान किया कि वे अपने अनुभवों को सोशल मीडिया पर साझा करें, ताकि युवाओं में 1975 से 1977 तक के शर्मनाक समय के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके।

संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं देशवासी

आज भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक, आपातकाल लागू होने के पचास साल पूरे हो गए हैं। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं। इस दिन, भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया, मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दिया गया और कई राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया। ऐसा लग रहा था जैसे उस समय सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को गिरफ्त में ले लिया हो!

हमारे संविधान की भावना का किया गया उल्लंघन

पीएम मोदी ने कहा कि कोई भी भारतीय कभी नहीं भूल पाएगा कि किस तरह हमारे संविधान की भावना का उल्लंघन किया गया, संसद की आवाज़ दबा दी गई और अदालतों को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। 42वां संशोधन उनके छल-कपट का एक प्रमुख उदाहरण है। गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और दलितों को खास तौर पर निशाना बनाया गया, जिसमें उनकी गरिमा का अपमान भी शामिल है। हम आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हैं।

सीएम साय ने सेनानियों को किया नमन

सीएम विष्णुदेव साय ने आपातकाल के खिलाफसंघर्ष करने वाले सेनानियों को नमन किया। आगे सीएम साय ने कहा, 25 जून 1975, भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय,जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सत्ता बचाने के लिए देश पर आपातकाल थोपकर संविधान की आत्मा को कैद कर लिया था। लोकतंत्र की रक्षा में आवाज उठाने वाले हजारों मीसा बंदियों के बलिदान को चिरस्मरणीय बनाने हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। हमारी सरकार ने भी प्रदेश के लोकतंत्र सेनानियों को सम्मान निधि देने की पुनः शुरुआत की, जिसे पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने रोक दिया था।

स्वतंत्रता सेनानियों के कारण बहाल करना पड़ा लोकतंत्र

पीएम मोदी ने कहा कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। यह उनका सामूहिक संघर्ष ही था जिसने सुनिश्चित किया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करना पड़ा और नए चुनाव कराने पड़े, जिसमें वे बुरी तरह हार गए। हम अपने संविधान में निहित सिद्धांतों को मजबूत करने और एक विकसित भारत के अपने सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। हम प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएं और गरीबों और वंचितों के सपनों को पूरा करें।

खास-खबर

ट्रक और ट्रेलर में भिड़ंत, चालक का हाथ कटा, मौत

सरगुजा। जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे-43 में सोमवार की रात गुतुरमा पुल के पास ट्रक और ट्रेलर में जबरदस्त भिड़ंत हो गई। इस घटना में ट्रेलर चालक का हाथ कट गया और अलग हो गया। जिसके कारण घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रेलर चालक के शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीतापुर भेजा गया।

जानकारी के मुताबिक, एमआर इन्फ्रा लॉजिस्टिक कंपनी के दो ट्रेलरों को लेकर चालक सूरजपुर जिले के विश्रामपुर में सामान पहुंचाने गए हुए थे। सामान खाली करने के बाद दोनों ट्रेलरों के चालक रायगढ़ के लिए निकल गए थे, तभी मार्ग में रात लगभग 10.30 बजे तेज गुतुरमा पुल के पास सामने से आ रहे ट्रक ने ट्रेलर को जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में ट्रेलर चालक सुनील कुमार सिंह का दायां हाथ कटकर अलग हो गया, इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद सीतापुर पुलिस कंपनी का ही दूसरा ट्रेलर चला रहे चालक मुकेश कुमार सिंह के साथ लाश को लेकर अस्पताल पहुंची और चौकीदार के नहीं रहने पर हॉस्पिटल में ही लाश को छोड़ चल दिए।

कोरबा की युवती से सिंगरौली में दुष्कर्म के बाद हत्या

कोरबा। जिले के हरदी बाजार थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती की मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के मोरवा थाना क्षेत्र में दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। आरोप है कि शव तीन दिनों से मोरवा के एक अस्पताल के बाहर रखा हुआ था। स्थानीय डॉक्टरों ने शव का पोस्टमॉर्टम करने से इनकार कर दिया। इसके बाद शव को रीवा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया।

मृतका के परिजनों ने मध्य प्रदेश पुलिस पर लापरवाही करने का आरोप लगाया है। मृतका के परिजनों ने मध्य प्रदेश पुलिस पर लापरवाही करने का आरोप लगाया है। परिजनों ने बताया कि वे जब मोरवा थाना में मामला दर्ज कराने पहुंचे तो पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप को दर्ज करने से इनकार कर दिया। इसके अलावा पुलिस पर यह भी आरोप है कि पुलिस मृतका के परिजनों को थाने से भगा रही है। परिजनों और स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि चार दिन बीत जाने के बावजूद न तो पोस्टमॉर्टम हुआ और न ही मामले में कोई ठोस कार्रवाई हुई। परिवार ने इस मामले में त्वरित जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

शासन से पाठ्य पुस्तकें ऑनलाइन अपलोड करने की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर अशासकीय स्कूलों में दी जाने वाली निशुल्क पाठ्यपुस्तक ऑनलाइन उपलब्ध कराने का आग्रह किया है. स्कूली छात्रों की पढ़ाई को लेकर पत्र के माध्यम से चिंता जाहिर की गई है. पत्र में बताया गया कि प्रदेश के अशासकीय स्कूलों को अब तक निशुल्क पाठ्यपुस्तकें नहीं मिलने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है. प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने पत्र में लिखा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी राज्य पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा पुस्तकों का वितरण किया जाना था।

बिलासपुर-सरगुजा संभाग में भारी बारिश का अलर्ट- दुर्ग, राजनांदगांव रायगढ़ में बिजली गिरेगी, उत्तरी हिस्से में 5 दिन तक होगी बरसात

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने सभी जिलों के लिए आज यलो अलर्ट जारी किया है। सरगुजा और बिलासपुर संभाग के जिलों में भारी बारिश की संभावना है। इनमें सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर, जशपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरबा, गौरेला-पेंड्रा-मारवाही, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़ और कबीरधाम शामिल हैं।

वहीं प्रदेश के अन्य जिलों में गरज चमक के साथ बिजली गिरने की भी चेतावनी है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अगले 6 दिनों तक मानसून का सबसे अधिक प्रभाव उत्तर छत्तीसगढ़ के जिलों में दिखेगा। वहीं दक्षिण और मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है। मंगलवार की बात करें तो सबसे अधिक तापमान 32.4 डिग्री दुर्ग का रहा।

पिछले दस दिनों में 25.25 मिमी औसत बारिश

राज्य में पिछले 10 दिनों में 25.25 मिमी औसत बारिश दर्ज की गई है। हफ्तेभर पहले बस्तर में अटका मानसून रायपुर से होते हुए सरगुजा पहुंचा था। इसके बाद से ही प्रदेश के अलग-अलग स्थानों में बारिश का दौर जारी है। रायपुर में मंगलवार सुबह कुछ इलाकों में बौछारें पड़ीं। दिनभर बादल छाए रहे। इससे पहले सोमवार को बिलासपुर में तेज बारिश हुई थी। वहीं रायगढ़ में भी बौछारें पड़ीं। यहां दोपहर के वक्त मौसम बदला और ठंडी हवाओं के साथ पानी भी बरसा।

जून में अब तक हुई सामान्य से कम बारिश

ओवर ऑल जून महीने की बात करें तो प्रदेश में अब तक कुल 41.0 मिमी औसत वर्षा हुई है, जबकि सामान्य औसत 81.0 मिमी होती है। यानी लगभग आधी बारिश ही अब तक हुई है। बलरामपुर इकलौता जिला है जहां नॉर्मल से बहुत अधिक बारिश हुई है। 26 जिलों में वर्षा सामान्य से कम रही है। इनमें से 17 जिलों में कम और 9 जिलों में कम बारिश दर्ज की गई।

बस्तर में होगी मध्य क्षेत्रीय परिषद की अगली बैठक, सीएम साय ने निर्णय का किया स्वागत

■ सीएम साय ने कहा- यह हमारे लिए गौरव की बात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25 वीं बैठक वाराणसी में आयोजित हुई। वहीं अब इसकी अगली बैठक बस्तर में करने का निर्णय लिया गया है। वाराणसी में बैठक के दौरान यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि बस्तर में इस तरह की उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन न केवल क्षेत्र के लिए गौरव की बात है, बल्कि इससे वहां के विकास को नई ऊर्जा भी प्राप्त होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र सरकार के सहयोग से बस्तर अब संघर्ष का नहीं, संभावनाओं का प्रतीक बनने की ओर अग्रसर है।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मंगलवार को मध्य क्षेत्रीय परिषद हुई जिसमें कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान यह जानकारी दी गई कि अगली बैठक का आयोजन छत्तीसगढ़ के बस्तर में किया जाएगा। यह निर्णय देश के दूरस्थ और चुनौतीपूर्ण अंचलों को राष्ट्रीय नीति-निर्धारण की मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में देखा जा रहा है। बस्तर जैसे क्षेत्र में इस स्तर की बैठक का आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समावेशी विकास और सुशासन की नीति का सशक्त प्रतीक है।

बैठक के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि अगली परिषद बैठक तक बस्तर में नक्सल उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय और निर्णायक प्रगति हो चुकी होगी। इस विश्वास के साथ, परिषद ने बस्तर क्षेत्र को शांति, स्थायित्व और विकास के एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत करने का लक्ष्य रखा है।

सारनाथ व बरौनी एक्सप्रेस का रूट बदला, आधा दर्जन ट्रेनें 3 से 4 घंटे के लिए री-शेड्यूल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग से चलने वाली सारनाथ व गोंदिया बरौनी एक्सप्रेस भिलाई, रायपुर न होकर गोंदिया नैनपुर से चलेगी। रेलवे द्वारा 28 जून को सारनाथ एक्सप्रेस का रूट बदला जा रहा है। 28 जून 2025 को दुर्ग से चलने वाली गाड़ी संख्या 15160 दुर्ग-छपरा सारनाथ एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग व्हाया गोंदिया-नैनपुर -जबलपुर-कटनी मार्ग होकर छपरा जाएगी। 28 जून 2025 को गोंदिया से चलने वाली गाड़ी संख्या 15232 गोंदिया - बरौनी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग व्हाया नैनपुर -जबलपुर-कटनी मार्ग होकर बरौनी जाएगी।

दरअसल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के सिलियारी-मांढर सेक्शन में रेलवे ब्रिज नं 403 पर स्लैब रिप्लेसमेंट व दाधापारा-बिलासपुर सेक्शन के मध्य गर्डर लांचिंग कार्य हेतु ट्रैफिक सह पावर ब्लॉक लिया जाएगा । इस कार्य के फलस्वरूप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा। इस दौरान कुछ ट्रेनों को रद्द भी किया जा रहा है। वहीं दुर्ग रायपुर से गुजरने वाली लंबी दूरी की आधा दर्जन ट्रेनों को 3 से 4 घंटे री-शेड्यूल किया जा रहा है।

रद्द होने वाले ट्रेनों की सूची

- 29 जून 2025 को बिलासपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 58201 बिलासपुर-रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी।
- 29 जून 2025 को रायपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 58204 रायपुर-कोरबा पैसेंजर रद्द रहेगी।
- 29 जून 2025 को रायपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 68728 रायपुर-बिलासपुर मेमू रद्द रहेगी।
- 29 जून 2025 को बिलासपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 68719 बिलासपुर-रायपुर मेमू रद्द रहेगी।
- 29 जून 2025 को बिलासपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 68734 बिलासपुर-गेवरारोड मेमू रद्द रहेगी।
- 29 जून 2025 को गेवरारोड से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 68733 गेवरारोड-बिलासपुर मेमू रद्द रहेगी।

देरी से रवाना होने वाली ट्रेनें

- 28 जून 2025 को दुर्ग से चलने वाली गाड़ी संख्या 18241दुर्ग-अम्बिकापुर एक्सप्रेस 04 घंटे देरी से रवाना होगी।
- 28 जून 2025 को अहमदाबाद से चलने वाली गाड़ी संख्या 12833 गाड़ी संख्या अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस 03 घंटे 30 मिनट देरी से रवाना होगी।
- 28 जून 2025 को सीएसएमटी से चलने वाली गाड़ी संख्या 12859 गाड़ी संख्या सीएसएमटी-हावड़ा एक्सप्रेस 03 घंटे 30 मिनट देरी से रवाना होगी।
- 28 जून 2025 को हावड़ा से चलने वाली गाड़ी संख्या 12860 गाड़ी संख्या हावड़ा सीएसएमटी एक्सप्रेस 03 घंटे देरी से रवाना होगी।

मलमूत्र देखकर ठिठक गया तैरता टापू

श्रीकंचनपथ

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में स्थित एक प्रसिद्ध मंदिर है, जो पराशर झील के किनारे स्थित है। इस झील में एक तैरता हुआ टापू है। यह टापू झील के पानी में घूमता रहता है। इसकी स्थिति समय के साथ बदलती रहती है। पराशर ऋषि के इस मंदिर को 13वीं-14वीं शताब्दी में राजा बाणसेन द्वारा बनवाया गया था। मान्यता है कि ऋषि पराशर ने इसी स्थल पर समाधि ली थी। हाल ही में यहां सरनाहुली मेला लगा। 15 और 16 जून को लगे इस मेले में आसपास के 20 गांवों के देवताओं को भी लाया गया। इस दौरान लगभग 15 हजार श्रद्धालु भी यहां पहुंचे थे। चूंकि, इस स्थान पर ठहरने की कोई पक्की सुविधा नहीं है, इसलिए लोगों ने यहां तंबुओं में ही डेरा जमाया। मेला खत्म होने के बाद अब गांव के युवा इस स्थल की सफाई कर रहे हैं। सफाई में जुटे युवा बताते हैं कि लोगों ने यहां मल-मूत्र से लेकर, सैनिटरी पैड, डायपर, बचा खुचा भोजन, खाली शराब की बोतलें पालीथीन में बांध-बांध कर इधर उधर फेंक दिया। इस गंदगी का इस पवित्र स्थान पर विपरीत असर पड़ा है। मंदिर के सेवादारों का कहना है कि कोरोना काल में जब यहां कोई भी नहीं आ रहा था, तब झील का पानी एकदम स्वच्छ था। उस समय तैरता टापू दिन में झील के कई चक्कर काट लेता था। पर अब इस गंदगी के बाद टापू एक स्थान पर स्थिर हो गया है। सेवादार बताते हैं कि यह देश के लिए अच्छा संकेत नहीं है। चलो इसी बहाने सही, लोग स्वच्छता को लेकर जागरूक तो होंगे। दरअसल, स्वच्छता के मायने ही बदल गए हैं। घिन और शुद्धता जैसे शब्दों का तेजी से विलोपन हो रहा है। पिछले 50 सालों में शौचालय बेडरूम तक पहुंच गया है। इन्हें स्वच्छ और खुशबूदार रखने के सौ साधन उपलब्ध हैं। पालीथीन भी एक ऐसा ही विकल्प है। लोग घरों में भी खाना आर्डर करते हैं तो कुछ न कुछ बच ही जाता है। इसमें कटी हुई सलाद, चटनियां और थोड़ा बहुत भोजन शामिल होता है। खुला छोड़ दें तो इसकी बदबू से लोगों को घर छोड़ना पड़े। पर पालीथीन है न। कूड़ा करकट पालीथीन बैग में भरकर उसका मुंह कसकर बांध दो तो कचरा टेबल पर भी रह सकता है। पराशर मंदिर में जितने भी लोग पहुंचे थे वो सब के सब श्रद्धालु नहीं थे। इनमें से बहुत सारे लोग पर्यटन के लिए यहां पहुंचे थे। उन्होंने यहां मौज मस्ती भी की। खाना कुछ साथ लेकर आए थे कुछ आर्डर कर लिया। मगर पॉट्टी का कोई इंतजाम नहीं था। पीने-खाने वालों का दिल थोड़ा बड़ा होता है। वे बोतलें उन बच्चों के लिए छोड़ आते हैं जो सुबह उन्हें बीनकर बाजार में बेच कर चार पैसे कमा लेते हैं। फिलहाल पूरा जोर स्वच्छता पर है। पानी छींटकर शुद्ध होना अब नहीं भाता। शुद्धता और स्वच्छता में फर्क तो होता है।

संपादकीय

नंबर वन बने रहने बहुत कुछ करना पड़ता है

देश हो कि विश्व हो, उसमें जो नंबर वन रहता है, वह जानता है कि बहुत सारे लोग चाहते हैं कि वह नंबर वन न रहे, बहुत सारे लोग उसे नंबर दो, नंबर तीन बना देना चाहते हैं। उसके खिलाफ झूठा प्रचार किया जाता है, इसलिए उसे भी नंबर वन बने रहने के लिए बहुत कुछ करना पड़ता है। अमरीका वर्तमान में विश्व का नंबर वन देश है। बरसों से नंबर वन देश है और वह बरसों नंबर वन देश बने रहना चाहता है। नंबर वन बनने के लिए उसने जो किया, नंबर वन बने रहने के लिए उसे और ज्यादा करना पड़ रहा है तथा आने वाले दिनों में और ज्यादा करना पड़ेगा। वह जब भी मौका मिलेगा दुनिया के देशों तथा वहां के लोगों को बताता रहेगा कि मैं सबसे शक्तिशाली हूं, मैं सबसे श्रेष्ठ हूं, मेरे हथियार सबसे बेहतर है, मेरे यहां की बनी वस्तुए सबसे अच्छी हैं। तुमको यह पसंद करनी होगी। तुमको यह खरीदनी होगी।

> *अमरीका हथियारों का सबसे बड़ा सौदागर देश है। सबसे ज्यादा, अत्याधुनिक और महाविनाशकारी हथियार उसके यहां ही बनते हैं। सबसे ज्यादा उसके हथियार बिकते हैं। हथियारों की बिक्री से सबसे ज्यादा आय भी होती है। हथियार के बाजार में कोई हथियार तब ही सबसे बिकता है जब वह युध्द में टेस्ट किया जा चुका होता है। अमरीका हर दस बीस साल में युध्द का मौका तलाश लेता है इराक से पहले कई देशों में वह ऐसा कर चुका है तथा इराक के बाद ईरान में वह अपने हथियारों को प्रयोग कर एक तरह से उनका परीक्षण कर रहा है कि वह कितने बेहतरीन हैं। वह दुनिया के देशों को बता देता है कि देखों हमारे हथियार ही सबसे भरोसेमंद है। यह आपके पास होंगे तो आपको सुरक्षा मजबूत रहेगी। यह आपके पास रहेंगे तो आपका हमला कारगर होगा। यह आपके पास होंगे तो आपके दुश्मन की हिम्मत नहीं होगी हमला करने की।*

बहुत लोग नहीं जानते होंगे कि अमरीका पहले इतना धनी नहीं था, विश्व युध्द के बाद वह धनी बना। माना जाता है कि वह युध्द के कारण ही सबसे धनी देश बना। तब से वह जानता है कि विश्व में शांति होगी तो अमरीका नंबर वन नहीं बना रह सकता, शांति के वक्त कोई अपनी या अपने देश की सुरक्षा के लिए चिंतित नहीं रहता है। शांति के समय कोई देश हथियार नहीं खरीदता है। शांति का समय हथियारों के सौदागरों के सबसे बुरा समय होता है। यह बुरा समय न आए इसलिए हथियारों के सौदागर शांति के नाम पर भी हथियार बेच लेते हैं। वह कहेंगे की तुम्हारे देश में शांति तब ही रहेगी जब तुम्हारी सुरक्षा मजबूत होगी। सुरक्षा तब मजबूत होगी जब तुम हमारे हथियार खरीदोगे। किसी देश को हथियार बेचना है तो यह भी जरूरी होता है कि उसको एहसास दिलाते रहा जाए देखो तुम्हारे कितने दुश्मन हैं और दुश्मनों से मैं तुम्हें बचा सकता हूं या मेरे बनाए हथियार तुम्हें बचा सकते हैं।

जब भी कहीं युध्द होता है तो हर देश को अपनी सुरक्षा की चिंता बढ़ जाती है। हर देश खुद को असुरक्षित समझने लगता है। उसे लगता है कि उस पर भी कोई कभी भी हमला कर सकता है और वह ऐसे हथियार खरीदना है या बनाता है जो उसकी सुरक्षा को मजबूत करते हैं। इसलिए दुनिया के देशों में असुरक्षा की भावना को बढ़ाने के लिए हर दस साल में कही न कहीं युध्द होते हैं और कराए भी जाते हैं। पहले तो अमरीका ही युध्द करता था और कराता था अब तो ईरान व पाकिस्तान जैसे आतंकवादियों को पालने वाले देश भी आतंकियों का इस्तेमाल कर युध्द शुरू करवा देते हैं। ईरान ने हमास का इस्तेमाल कर इजराइल व हमास में युध्द शुरू करा दिया। इसी युध्द का विस्तार है ईरान-इजराइल युध्द, ईरान व अमरीका युद्ध। अमरीका की तरह ईरान भी मुस्लिम देशों में नंबर वन बनना चाहता है। उसे परमाणु बम नंबर बन बनने के लिए चाहिए। अमरीका उसे नंबर वन नहीं बनने देना चाहता क्योंकि नंबर वन तो हमेशा अमरीका रहा है।

नए भारत की नई कहानी: ग्रोथ मार्केट से ग्रोथ इंजन तक

गिरिराज सिंह, वस्त्र मंत्री, भारत सरकार

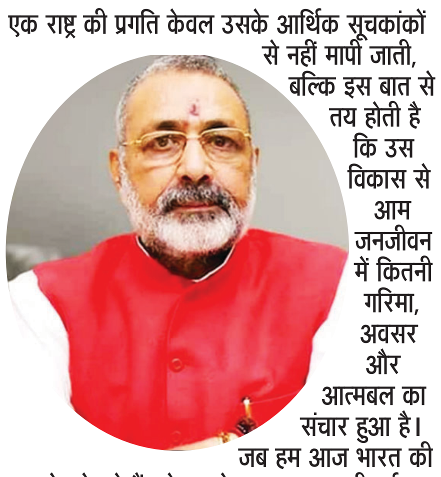

एक राष्ट्र की प्रगति केवल उसके आर्थिक सूचकांकों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उस विकास से आम जनजीवन में कितनी गरिमा, अवसर और आत्मबल का संचार हुआ है। जब हम आज भारत की ओर देखते हैं, तो यह केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक जाग्रत समाज की तस्वीर है, जो आगे बढ़ना जानता है, जो अपने अतीत से सीखता है और अपने भविष्य को स्वयं गढ़ रहा है।

मेरे लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर, जो वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 7.4 प्रतिशत रही, एक आकंड़ा मात्र नहीं है। यह उस किसान की मेहनत का सम्मान है, जिसने आधुनिक तकनीक को अपनाकर पैदावार बढ़ाई। यह उस महिला उद्यमी की कहानी है, जिसने स्वयं सहायता समूह से यात्रा शुरू कर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पाद दुनिया तक पहुंचाए। यह उस युवा इंजीनियर का आत्मविश्वास है, जिसने मेक इन इंडिया के अंतर्गत नौकरी ढूंढ़ने के बजाय नौकरी देने वाला बना।

आज भारत की औसत विकास दर 6.5 प्रतिशत है, और नॉमिनल जीडीपी 330 ट्रिलियन को पार कर चुकी है। GST संग्रह लगातार दो महीने 2 लाख करोड़ से ऊपर रहा है। यह आर्थिक आत्मबल अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह गाँवों, छोटे कस्बों और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचा है।

डिजिटल क्रांति ने भारत के सामाजिक ताने-बाने में एक ऐतिहासिक परिवर्तन लाया है। गाँव का एक युवा अब मोबाइल से भुगतान करता है, सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे खाते में प्राप्त करता है और ऑनलाइन पढ़ाई के माध्यम से अपने सपनों को साकार करता है। आज PI के जरिए 25 ट्रिलियन से अधिक ट्रांजैक्शन हो चुके हैं। यह डिजिटल समावेशन केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं है, यह सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण का नया अध्याय है।

भारत ने वैश्विक व्यापार में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। केवल अप्रैल 2025 में ही भारत से 3 मिलियन आईफोन iPhone एक्सपोर्ट हुए, चीन से तीन गुना ज़्यादा। यह दर्शाता है कि भारत अब केवल बाजार नहीं, ग्लोबल वैल्यू चेन का प्रमुख स्तंभ बन चुका है। बीते दशक में भारत में 500 बिलियन से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है, जो इनोवेशन, रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए द्वार खोल रहा है।

हमारे किसान भी इस बदलाव के सशक्त भागीदार बने हैं। आज 51 मिलियन किसानों के पास डिजिटल किसान ID है, जिससे उन्हें उनकी भूमि, फसल और योजनाओं का सीधा लाभ मिलता है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, डिजिटल मंडियाँ, और आत्मनिर्भर कृषि मिशन जैसे प्रयासों ने उन्हें सहयोगी नहीं, सहभागी बनाया है।

भारत में गरीबी दर 2011-12 के 29.5 प्रतिशत से घटकर आज 9.4 प्रतिशत रह गई है। यह केवल आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का विस्तार है। विश्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि अत्यंत गरीबी अब मात्र 5.3 प्रतिशत रह गई है। इस परिवर्तन में उस ग्रामीण परिवार की कहानी छिपी है, जिसके बच्चे पहली बार स्कूल गए, जिसने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा को नजदीक पाया, और जिसने आत्मनिर्भरता को अपनी पहचान बनाया।

इंफ्रास्ट्रक्चर में भी भारत ने नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। आज भारत एक साल में 1,600 इंजन बनाकर विश्व का सबसे बड़ा लोकोमोटिव निर्माता है। ऊर्जा क्षेत्र में 49 प्रतिशत क्षमता अब नवीकरणीय स्रोतों से है। भारत अब सस्टेनेबल विकास की राह पर तेजी से अग्रसर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) जैसे क्षेत्रों में भी भारत की क्षमता को वैश्विक मान्यता मिल रही है। OpenAI जैसी संस्थाओं ने भारत में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय AI अकादमी शुरू की है, यह हमारे युवाओं की प्रतिभा और संभावनाओं में भरोसे का प्रमाण है।

नए भारत की विकास यात्रा में टेक्सटाइल सेक्टर भी एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरा है। तकनीकी वस्त्रों को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन (NTTM) और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) योजना एक-दूसरे के पूरक बनकर कार्य कर रही हैं। NTTM के तहत ?510 करोड़ की सहायता से 168 नवाचार आधारित प्रोजेक्ट्स को मंज़ूरी दी गई है। वहीं, टेक्सटाइल इंफ्रास्ट्रक्चर को वैश्विक मानकों पर लाने के लिए देशभर में 7 पीएम मित्रा पार्क स्थापित किए जा रहे हैं, जहां पूरी वैल्यू चेन को 'प्लग-एंड-प्ले' मॉडल पर काम करने की सुविधा मिलेगी। यह क्षेत्र अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि तकनीक, नवाचार और निर्यात का नया प्रतीक बन चुका है।

आज भारत को WTO और WEF जैसे वैश्विक संस्थान केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि ग्रोथ इंजन के रूप में देख रहे हैं। यह उस समर्पित प्रयास का परिणाम है, जो प्रधानमंत्री की नीतियों, योजनाओं और नागरिकों की सहभागिता से संभव हुआ है।

मैं दृढ़ता से मानता हूँ कि यह यात्रा केवल सरकार की नहीं, हर भारतीय की है। हमारे सामने आज जो उपलब्धियाँ हैं, वे उस संकल्प का परिणाम हैं जिसने हर गाँव, हर परिवार और हर नागरिक को जोड़ा। भारत आज एक विकल्प नहीं, एक प्रेरणा है, आत्मनिर्भरता की, समावेशिता की और वैश्विक नेतृत्व की। जब हम अमृतकाल में विकसित भारत @2047 की परिकल्पना करते हैं, तो वह केवल एक सपना नहीं, एक साझा संकल्प है और मुझे विश्वास है इस संकल्प की सिद्धि का समय अब दूर नहीं।

आतंकवाद समूची दुनिया के लिए चुनौती

यूरोप के दौरे पर गए वित्त मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को चेताया है कि भारत को आतंकवादी हमलों के जरिए उकसाया गया तो हम पाकिस्तान के भीतर जाकर हमला करने में हिचकि चाएंगे नहीं। यूरोपीय संघ के उच्चस्तरीय व्यापार संवादों में भाग लेते हुए उन्होंने ब्रसेल्स में एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें संदेश है कि अप्रैल जैसी बर्बर हरकत को जारी रखा गया तो जवाबी कार्रवाई का सामना करना होगा जो आतंकवादी संगठनों व आतंकवादी नेतृत्व के खिलाफ होगी। जयशंकर ने कहा, हमें परवाह नहीं कि वे कहां हैं। अगर वे पाकिस्तान के भीतर हैं तो हम पाकिस्तान में अंदर तक जाएंगे। उन्होंने पड़ोसी दुश्मन मुल्क में आतंकियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण और उनके भारत में घुसपैठ करने पर कड़ी कार्रवाई की बात भी दोहराई। उन्होंने भारतीय एयर स्ट्राइक से हुई पाकिस्तान को क्षति के आरोपों का भी अपने अंदाज में करारा जवाब दिया। कहा कि सबूत तो वही एयर फील्ड हैं, जो अब काम नहीं कर रहे।

पाकिस्तान की हवाई पट्टियों को नुकसान को गूगल सैटेलाइट से देखने की सलाह भी दे डाली। बेशक, भारत के ऑपरेशन सिंदूर को सारी दुनिया ने देखा जब 6-7 मई की दरमियानी रात भारतीय सशस्त्र बलों ने दुश्मन देश के भीतर घुस कर पच्चीस मिनट में नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था। इनमें से पांच तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में ही थे। जयशंकर ने भारत का रुख स्पष्ट करते हुए विदेशी मीडिया को साफ संकेत दिया कि पाकिस्तानी वायु सेना को भारतीय लड़ाकू विमानों व मिसाइलों ने जबरदस्त क्षति पहुंचाई। अल्पभाषी जयशंकर स्पष्ट और सटीक बात करने के मामले में अपने समकालीन राजनेताओं से बिल्कुल भिन्न हैं। दोनों मुल्कों के दरम्यान हुए युद्ध विराम व तमाम आरोपों-प्रत्यारोपों के बावजूद दुनिया की महाशक्तियों के समक्ष भारत सरकार ने नये प्रतिमान गढ़ने का अपना इरादा डंके की चोट पर प्रदर्शित ही नहीं किया बल्कि देश की सुरक्षा और अपने नागरिकों की हत्या के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई को न्यायोचित ठहराने में कोई कोताही भी नहीं कर रहा है। आतंकवाद समूची दुनिया के लिए जबरदस्त चुनौती है जिसके प्रति कोई भी सहिष्णुता दर्शाने को राजी नहीं है। पाकिस्तान के प्रति सहानुभूति रखने वाले भी इस मुद्दे पर बगले झांकते नजर आते हैं।

पहाड़ों के बीच से गुजरती उम्मीदों की ट्रेन : कश्मीर की रेल क्रांति

जया वर्मा सिन्हा, पूर्व सीईओ और रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष

जून के एक खुशगवार दिन, गेंदे के फूलों और राष्ट्रीय गौरव से लदी हुई वंदे भारत एक्सप्रेस ने माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर तक अपनी पहली यात्रा शुरू की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा झंडी दिखाए जाने के बाद, यह क्षण एक हाई-स्पीड ट्रेन के शुभारंभ से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण बन गया था। यह एक सदी पुराने सपने की परिणति थी-जो चट्टानी इरादों, दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प से बुनी गयी थी। और वह संकल्प था-कश्मीर का शेष भारत के साथ रेल एकीकरण। इस ट्रेन में यात्रा कर रहे लोगों के खुशनुमा चेहरों से यह साफ दृष्टिगोचर हो रहा है।

अल्ट्रा आधुनिक यात्रा अनुभव के साथ कश्मीर जाने वाली यह ट्रेन हमारे इंजीनियरों के परिश्रम की ठोस नींव पर आधारित है। यात्रा के समय में कमी लाते हुए, यह हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेनें दिन में दो बार, सप्ताह में छह बार दोनों तरफ़ से चल रही हैं। ये न केवल घाटी में स्थानीय आर्थिक विकास के लिए आवश्यक प्रोत्साहन दे रही हैं, बल्कि देश भर के पर्यटकों के लिए भी वरदान साबित हो रही हैं। अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ तीन घंटे के कम समय की इस मनमोहक यात्रा ने वास्तव में पर्वतीय कश्मीर को सभी मौसमों में शेष भारत के साथ एकीकृत कर दिया है। सड़क मार्ग से इस यात्रा में छह से सात घंटे लग जाते हैं।

दशकों से, कश्मीर की कहानी संघर्ष और दूरी के नजरिये से सुनी जाती रही है। यह देखना अब उत्साहजनक है कि यह इबारत बुनियादी ढांचे - पुल, सुरंग और पहाड़ों के बीच से गुजरती रेल लाइनों की भाषा में फिर से लिखी जा रही है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन के 11 साल पूरे होने की पूर्व संध्या पर, विशेष ट्रेनें और कनेक्टिंग लिंक कश्मीर में स्थानीय लोगों की नियति बदलने के लिए कमर कसकर तैयार हैं।

राष्ट्र की सेवा के अपने 172 साल के इतिहास में, भारतीय रेल ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। रेल से जुड़ी, पुरुषों और महिलाओं की समर्पित पीढ़ियों ने संपर्क और परिवहन को रोजमर्रा की हकीकत बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। लेकिन यह एक विख्यात भारतीय विज्ञापन की एक मशहूर पंक्ति को चरितार्थ भी करती है: भारतीय रेल सिर्फ पटरियां नहीं बनाती-यह राष्ट्रीय एकता का ताना-बाना भी बुनती है!

अलगाव से एकीकरण तक

ऐतिहासिक रूप से देखें तो कश्मीर का अलगाव केवल रूपक भर नहीं था, बल्कि यह भौगोलिक और कष्टदायी रूप से वास्तविक भी था। हिमालय की ऊंचाइयों पर बसा और अक्सर हफ्तों तक बर्फ से ढका रहने वाला यह क्षेत्र न केवल पहुंच में बल्कि अनुभव में भी दुर्गम था। सड़कें खतरनाक थीं, हवाई यात्रा सीमित थी और लंबे समय से किया जा रहा पूर्ण रेल संपर्क का वायदा एक मृगतृष्णा बनकर रह गया था।

कश्मीर रेल लिंक के लिए ब्रिटिश काल का प्रस्ताव दशकों तक ड्राइंग बोर्ड पर सीमित रहा, जो जटिल भू-राजनीतिक चुनौतियों से बाधित था। विचार-विमर्शों, व्यवहार्यता अध्ययनों, तकनीकी मूल्यांकनों और घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ परामर्शों के अनगिनत दौर के बाद, उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) को आधिकारिक तौर पर 1994 में मंजूरी दी गई थी। उत्तरी और दक्षिणी अनुभागों में जहां निरंतर प्रगति होती रही और एक दशक के भीतर वे प्रभावी रूप से पूरे भी हो गए, कटरा से बनिहाल तक के केंद्रीय अनुभाग में हिमालय से जुड़ी कई इंजीनियरिंग और सुरक्षा चुनौतियां सामने आईं।

वर्षों तक पहाड़ों की खाई से गुजरती यह रेल लाइनें दो अलग-अलग खंडों के रूप में बाधित रहीं। लेकिन यह खाई केवल भौतिक भूभाग से ही जुड़ी नहीं थी, बल्कि यह किसी और चीज की भी प्रतीक थी। यूएसबीआरएल परियोजना को पूरा करने का अंतिम ठोस प्रयास तब हुआ जब सरकार ने इसे राष्ट्रीय प्राथमिकता घोषित किया। दृढ़ संकल्प और अत्याधुनिक तकनीक के समन्वय से काम करने के बाद आखिर इस परियोजना ने वास्तव में आकार ले ही लिया। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बिलकुल सटीक टिप्पणी की; यह एक परिवहन पहल भर नहीं थी, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक प्रयास थी।

जहां आसमान पर छाया है इस्पात

यूएसबीआरएल परियोजना शायद आजादी के बाद की सबसे महत्वाकांक्षी रेल पहल है। उधमपुर और बारामूला के बीच 272 किलोमीटर का यह हिस्सा 40 सुरंगों और 900 से ज़्यादा पुलों से होकर गुज़रता है। और इस सबके बीच में कीर्तिमान स्थापित कर रहा है - चिनाब ब्रिज - जो नदी के तल से 359 मीटर ऊपर विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज है। इंजीनियरिंग का यह चमत्कार 260 किलोमीटर प्रति घंटे की हवा की रफ्तार और भूकंपीय क्षेत्र-V के झटकों को झेलने में सक्षम है। इसके बगल में अंजी खाद ब्रिज है, जो भारत का पहला केबल-स्टेड रेलवे ब्रिज है। यह घाटी में असमान रूप से फैला हुआ है, सिंगल पायलन इसका आधार है और यह 96 केबलों द्वारा समर्थित है।

पीर पंजाल रेंज से गुजरने वाली 11 किलोमीटर लंबी टी-80 (बनिहाल - काजीगुंड) सुरंग सहित अन्य सुरंगों का निर्माण डायनामाइट और इन्सानी क्षमता के जरिये चट्टान को तराश कर किया गया है।

भौतिक सर्वेक्षण घोड़े पर सवार होकर किए गए, जबकि ड्रोन और सैटेलाइट इमेजिंग ने हवाई सर्वेक्षण में सहायता प्रदान की। श्रमिकों ने हाड़ कंपकपाती सर्दियों, आकस्मिक भूस्खलनों और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमलों के मंडराते खतरे के बावजूद अनथक काम किया।

आज, 190 किलोमीटर से अधिक सुरंगों और हजारों टन स्टील लगने के बाद, यह लाइन पूरी तरह से तैयार है। यह एक ऐसी उपलब्धि है, जो सटीक इंजीनियरिंग को विजन की एक निश्चित साहसिकता के साथ जोड़ती है। यह घाटी को देश के बाकी हिस्सों से विशिष्ट प्रकार से जोड़ती है, जिसका एक महान सांकेतिक महत्व है।

उम्मीद से भरी ट्रेन

कई मायनों में, वंदे भारत एक्सप्रेस सिर्फ एक ट्रेन नहीं है - यह एक रूपक है। यह घास के मैदानों और घाटियों से चुपचाप गुजरती है, वास्तविक और मनोवैज्ञानिक दोनों तरह की दूरियों को पाटती है और यह ऐलान करती है कि कश्मीर अब दूर नहीं रहा!

इसने श्रीनगर और कटरा के बीच यात्रा के समय को लगभग छह घंटे से घटाकर सिर्फ तीन घंटे कर दिया है। जो कभी भूस्खलन, खतरनाक मोड़ और अप्रत्याशित मौसम के बीच एक दुर्गम सड़क यात्रा थी, वह अब सुरंगों और पुलों के माध्यम से एक अविश्वसनीय सुगम यात्रा बन गयी है।

यह न केवल शहरों को, बल्कि जीवनों को भी जोड़ती है। दूर-दराज के गांवों के बच्चे अब जम्मू और दिल्ली के विश्वविद्यालयों के बारे में बात कर रहे हैं। स्थानीय कारीगर, सेब उत्पादक और कालीन बुनकर अब अपने ताजा उत्पादों को त्वरित गति से घाटी से परे दूरदराज के बाजारों तक पहुंचते हुए देख रहे हैं।

श्रीनगर में एक युवा दुकानदार ने कहा, जहां पहले चेकपॉइंट होते थे और उससे खासी देरी होती थी, वहां अब ट्रेन की आवाज गूंज रही है। ऐसा लगता है कि अब हम देश के बाकी हिस्सों के आने का इंतजार नहीं कर रहे हैं - हम उसके साथ चल रहे हैं।

एक नई यात्रा, विकास प्रक्रिया अभी भी जारी

इसका मतलब यह बताना नहीं है कि एक ट्रेन कश्मीर की जटिल समस्याओं का समाधान कर देगी। बुनियादी ढांचा इतिहास को मिटा नहीं सकता या घावों को तुरंत ठीक नहीं कर सकता - सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर अभी भी ध्यान देने की आवश्यकता होगी। लेकिन यह - शाब्दिक और प्रतीकात्मक - दोनों तरह से दरवाजे खोल सकता है और आर्थिक, सामाजिक और अंततः भावनात्मक एकीकरण की नींव रख सकता है।

औपनिवेशिक कार्यालयों में ड्राइंग बोर्ड पर कभी एक सपने के रूप में जो आरंभ हुआ, वह हिमालय की चट्टानों के साथ मिलकर और स्टील से बनी रेलगाड़ियों के रूप में आज एक वास्तविकता बन गया है। कश्मीर तक रेल लाइन एक ऐसे देश की कहानी है जिसने भूभाग, आतंक या समय की सीमा की परवाह नहीं की। पहाड़ों की छाया से लेकर सूरज की रोशनी से जगमगाते स्टेशनों तक, अब एक नई यात्रा शुरू हो गई है!

क्या गलत था पुराना शैक्षणिक कैलेंडर

बहुत वर्षों से मेरे मन में एक अनसुलझा सवाल मुझको उलझाए हुए है। जब मैं अपनी स्कूली शिक्षा के दौर से गुजर रहा था । बड़ा सुकून महसूस किया करता था। 1 जुलाई से स्कूलों में पढ़ाई शुरू हुआ करती थी। सितंबर माह में तिमाही परीक्षा, लगभग दिसंबर माह में छमाही परीक्षा और फिर मार्च के अंत तक या अप्रैल माह के प्रथम माह तक वार्षिक परीक्षा संपन्न की जाती थी।

इस बीच खेलकूद की गतिविधियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम जिसे वार्षिकोत्सव स्नेह सम्मेलन कहा जाता था, भी संपन्न हुआ करते थे। सबसे बड़ी बात यह कि सारी गतिविधियां बिना किसी व्यवधान के ही जाया करती थीं। अप्रैल के अंतिम दिनों में परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने के उपरांत गर्मियों की छुट्टियां शुरू हुआ करती थीं। इस बीच दीपावली का बड़ा पर्व भी हमेशा की तरह आया करता था । नवरात्र पर्व की अष्टमी तिथि या एक-दो दिन आगे-पीछे दीपावली की छुट्टी शुरू हो जाया करती थी। यह छुट्टियां लगातार लगभग 25 दिन चल करती थीं। पर्व का उत्साह सिर चढ़कर बोला करता था। बच्चे पूरी तरह गर्मी और सूर्य की तपन से राहत पाया करते थे। न जाने उक्त कैलेंडर में क्या कमी अथवा बड़ी त्रुटि कर्णधारों को नजर आई, कि उसे पूरी तरह बदल दिया गया! अब भरी गर्मी में पूरे अप्रैल माह के अंत तक उन्हें अगली कक्षा की तैयारी में झोंका जाना शुरू कर दिया गया! इतना ही नहीं मानसून के सक्रिय होने से पहले पुनः 15 जून से तपती दोपहरी में स्कूल की दहलीज पर पहुंचने का फरमान विद्वान शिक्षाविदों द्वारा दिया जाने लगा है!

आज मैं अनेक विद्वानों की नजर में बे-अक्ल कहा जाऊं तो मुझे कोई शिकवा-शिकायत नहीं है। केवल इतना जानना चाहता हूं कि पुराने शैक्षणिक सिस्टम और अत्याधुनिक, वर्तमान के कैलेंडर के बीच शिक्षा जगत के कर्णधारों ने क्या उल्लेखनीय प्रगति की? क्या पहले के शिक्षाविदों ने जो वार्षिक शैक्षणिक गतिविधि को अपनाया था वह दूषित थी? क्या उस वक्त शिक्षा ग्रहण करने वालों को आधी-अधूरी तैयारी के साथ परीक्षा में बैठने विवश होना पड़ रहा था? क्या परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर शिक्षार्थी नहीं दे पा रहा था। यदि इन प्रश्नों का उत्तर न में है तो फिर एक सु-व्यवस्थित समय - सारिणी को क्यों बदला गया? दूसरी ओर यदि मेरे प्रश्नों का उत्तर हां में है तो यह बताया जाए कि नए कैलेंडर में बच्चों पर ज्यादा ध्यान दिया रहा है या फिर कहीं न कहीं इसे शिक्षा माफियाओं के स्वार्थ से तो नहीं जोड़ दिया गया है? मैं आखिर क्यों इस तरह की तुलना में उलझ पड़ा हूं? जहां तक मैं सोचता हूं इस वक्त के सिस्टम में बच्चों के स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दिया गया था, जो अब पूरी तरह विलुप्त दिख रहा है। नए शैक्षणिक कैलेंडरों बच्चों की छुट्टियां लगभग खत्म कर दी गई हैं! मार्च माह के तीसरे सप्ताह तक परीक्षा में उलझे बच्चों को बमुश्किल एक सप्ताह का आराम मिल पाता है। 1 अप्रैल से पुनः 30 अप्रैल तक कक्षाएं लगाई जाती हैं! आप यह जरूर कह सकते हैं कि 1 मई से 14 जून तक बच्चों को छुट्टी दी जा रही है। मैं इसे नहीं मानता! कारण यह कि प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा बड़ी चालाकी के साथ समर क्लासेज के नाम पर बच्चों को बाहर जाने से रोक दिया जाता है! नाना-नानी सहित दादा-दादी का प्यार पाने बच्चे तरसा दिए जा रहे हैं!

वह भी एक समय था जब बच्चे स्कूल की छुट्टियां शुरू होते ही मैदानों में पहुंचने लगते थे। शाम 4 बजे से हर शहर के खेल मैदान बच्चों के खेल जीवन और उनकी उन्मुक्त आवाजों से गूंज उठते थे। हॉकी से लेकर फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल के साथ ही अपनी चाहत के अनुसार बच्चे बेसबॉल के ग्राउंड में धमाचौकड़ी करते देखे जाते थे। आज की नवीन व्यवस्था ने छुट्टियों के गिने - चुने दिनों को भी चुनौती पूर्ण बनाते हुए बच्चों को कोचिंग कक्षाओं से जोड़ दिया है। कुछ इस तरह की स्थिति निर्मित की जा रही है कि बच्चों के साथ ही पालकों को भी ऐसा लगने लगा है कि यदि बच्चे खेल के मैदान में होंगे तो अपना भविष्य नहीं संवार पाएंगे! कुल मिलाकर उस कहावत को साइन बताने का प्रयास सफल होता दिख रहा है जो कुछ इस तरह है -पढ़ोगे - लिखोगे तो बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदेगो तो बनोगे खराब। मैं पूछना चाहता हूं आज से चार दशक पूर्व के उन लोगों स, जो या तो अब भी अपने सेवानिवृत्ति की प्रतीक्षा में कार्यरत हैं या सेवानिवृत्त हो चुके हैं, क्या आप लोगों ने भी उस सिस्टम में कोई त्रुटि पाई थी? यदि नहीं तो अपने बच्चों के साथ अन्याय क्यों? बच्चों के स्वास्थ्य से लेकर सीमित पाठ्यक्रम के साथ भविष्य निर्माण का मजबूत आधार तय करने वाले बेहतरीन शैक्षणिक कैलेंडर को पुनः लागू करने सरकार के कान खड़े क्यों न किए जाएं?

कुछ चर्चा इस बात पर भी की जानी चाहिए कि प्री - प्राइमरी, प्राइमरी तथा मिडिल कक्षाओं के बच्चों के बस्ते के बोझ को कम करने की पूर्व घोषणा कब पूरी की जाएगी? आज नर्सरी से लेकर ऊपर के जी के बच्चों की पुस्तकों एवं कॉपियों का सेट 3000 या उससे अधिक में मिल रहा है। निजी पुस्तक प्रकाशकों द्वारा छपी गई पुस्तकों के माध्यम से पालकों को लूटने का ही काम किया जा रहा है। छोटे बच्चों की शिक्षा के लिए जरूरी पुस्तकें एनसीईआरटी के द्वारा प्रकाशित कराकर इस लुट से बचाया जा सकता है। गौरतलब है कि एनसीईआरटी द्वारा छापी गई कक्षा पहली से आठवीं की पुस्तकें मात्र 400 - 500 रूपये में उपलब्ध हैं। इसी तरह हाई एवं हॉयर सेकेंडरी की पुस्तकें भी अधिक से अधिक 600 रुपयों तक आसानी से उपलब्ध हैं। शिक्षा को व्यवसाय नहीं सेवा के दायरे में ही रहने दिया जाए। इस हेतु केंद्र स्थित सरकार के साथ ही राज्य सरकारों को भी चिंता करनी चाहिए।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

विशाल ज्वेलर्स
BIS - 916
100% Hallmarked
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना
नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर गोंड़ समाज द्वारा दी गई श्रद्धांजलि

दुर्ग। केंद्रीय गोंड़ महासभा धमधा गढ़ एवं महासभा के अधीनस्थ मुड़ा बघेरा के तत्वाधान में गोंडवाना की महारानी दुर्गावती के 461वां बलिदान दिवस के अवसर पर शहर के मध्य स्थित दुर्गावती प्रतिमा में समाज द्वारा पूजा अर्चना कर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर महारानी की वीरता, साहस, बलिदान की बातें समाज को बताई गई। साथ ही बताया गया कि किस प्रकार महारानी मुगलों के सामने झुकी नहीं, वरन लड़ते हुए मृत्यु को वरन करना पसंद किया। अंत में वीरांगना महारानी दुर्गावती को दो मिनट की मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान एम.डी. ठाकुर, सीताराम ठाकुर, डीएस सोरी, राजेन्द्र, महावीर, गोरेलाल, मनहर, अनीता, पार्षद ललिता ठाकुर, लोकेश्वरी ठाकुर, महेश्वरी ठाकुर, गोमती, शरद, उषा मंडावी, कौशल, दुर्गा, प्रभा, चंद्रकांता, पूर्णिमा, सोमलता, राजेश्वरी नेताम सहित समाज के लोग उपस्थित रहे।

अवैध मुरूम खननकर्ताओं पर राजस्व और पुलिस विभाग की ताबड़तोड़ कार्रवाई

दुर्ग। राजस्व विभाग और पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वाधान में जिले में अवैध रूप से मुरूम खनन व रेत का परिवहन करने वालों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। राजस्व और पुलिस विभाग की टीम द्वारा संयुक्त रूप से की गई औचक कार्रवाई से अवैध खननकर्ताओं में हड़कंप मचा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसडीएम पाटन के निर्देश पर मंगलवार को सुबह पाटन अनुविभाग अंतर्गत थाना रचिरई क्षेत्र में राजस्व विभाग और पुलिस की टीम एक साथ पहुंची जहां कार्यवाही के दौरान ग्राम कौही, बोरेंदा, केसरा, ओदरागहन, निपानी तथा कौही सेमर घाट में एक जेसीबी और दो ट्रक अवैध रेत उत्खनन करते हुए पकड़े गये। इसी तरह से थाना उतई क्षेत्र के ग्राम पतोरा में राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग ने ग्राम महकाखुर्द के शासकीय भूमि में दो डम्फर और एक जेसीबी बिना रॉयल्टी पेपर के अवैध मुरूम उत्खनन एवं परिवहन करते हुए पकड़े। सभी को जप्त कर थाना उतई के सुपुर्द में किया गया। मौके पर नायब तहसीलदार राजस्व श्री मनोज रस्तोगी और पुलिस की टीम साथ थी। इसी प्रकार धमधा अनुविभाग अंतर्गत ग्राम कोड़िया तहसील अहिवारा में एक चैन माउंटेन मशीन और तीन हाईवा की बिना अनुमति के मुरुम के खनन एवं परिवहन किए जाने पर जप्ती की कार्रवाई की गई। ग्राम गिरहोला से 01 चैन माउंटेन तथा 3 हाईवा तथा ग्राम पोटिया से 1 चैन माउंटेन एवं 3 हाईवा जप्त कर सभी को थाना नंदिनीनगर की सुपुर्दगी में सौंपा गया है। उक्त कार्रवाई में राजस्व विभाग की ओर से राधेश्याम वर्मा तहसीलदार अहिवारा, खूबचंद वर्मा राजस्व निरीक्षक अहिवारा, अरूण वर्मा राजस्व निरीक्षक मुरमुंदा, खेमराज देवांगन पटवारी अहिवारा और पुलिस विभाग की ओर से अलेक्जेंडर कीरो डीएसपी, मनीष शर्मा थाना प्रभारी नंदिनी नगर एवं उनकी टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई।

गोकुल नगर में स्थापित होगा बायो गैस प्लांट गोबर से बनेगा घरेलू उपयोग के लिए गैस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई के गोकुल नगर क्षेत्र में बायो गैस प्लांट बनाया जाएगा। मंगलवार को आयुक्त राजीव पाण्डेय ने इसके लिए जोन आयुक्त के साथ स्थल का निरीक्षण किया। दर असल गोकुल नगर निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने देखा कि जगह जगह गोबर पड़ा है और इसका सही इस्तेमाल नहीं हो रहा है। गोबर से बायो गैस बनाया जाए तो इसका घरेलू गैस के तौर भी इस्तेमाल होगा।

गोकुल नगर क्षेत्र में अव्यवस्थित बिखरे गोबर के सही उपयोग के लिए बायो गैस प्लांट की स्थापना किये जाने के संबंध में आयुक्त पाण्डेय, समाज सेवी गौ सेवक शिशिर तमोटिया एवं जोन आयुक्त ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। शिशिर तमोटिया ने बताया कि मैं यह प्लांट स्वयं के व्यय से स्थापित कर संचालित करने के लिए इच्छुक हूं। इसको लगाने से शहर वासियों को बहुत सारे फायदे होगें, यह बायो गैस ''पाईप नेच्युरल गैस' (पीएनजी) है, यह घरेलू एलपीजी ईंधन से हल्की होती है, जिसका हीट वैल्यू 6000 किलो कैलोरी केजी होती है। इसके उपयोग से किसी प्रकार की दुर्घटना होने की संभावना नहीं होती है और स्वास्थ्य के अनुकुल है। जबकि एलपीजी गैस वजन में अधिक होती है, जिसका हीट वैल्यू 13000 किलो कैलोरी/केजी होती है। इसके उपयोग से दुर्घटना होने की संभावना अधिक रहती है और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

सीवरेज लाइन देखने भी पहुंचे आयुक्त

जोन 02 वैशाली नगर वार्ड क्रं. 24 हाउसिंग बोर्ड 32 एकड़ रहवासी क्षेत्र में सिवरेज लाईन का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिसका निरीक्षण करने आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय पहुंचे। जिससे बरसात एवं घरो से निकलने वाले पानी का निकासी आसानी से हो सके। आयुक्त ने निर्माण कार्य समय सीमा एवं कार्य की गुणवत्ता बरकरार रखने के लिए उपस्थित उपअभियंता एवं निर्माणकर्ता एजेंसी को निर्देशित किये। निगम क्षेत्रांतर्गत संचालित आटो टिप्पर से डोर-टू-डोर घरो, बाजारों, दुकानों से कचरा कलेक्शन का कार्य प्रतिदिन किया जा रहा है। सफाई व्यवस्था में सुधार लाने सभी आटो टिप्पर में बोरी के जगह अलग से एक ब्लाक बनाने स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किये।

आबंटियों को जारी किया गया नोटिस

गोकुल नगर में गो पालन के लिए भूमि आबंटित किया गया था, जिसकी राशि आबंटितों द्वारा अब तक निगम कोष में जमा नहीं किया गया है। उन्हे राशि जमा करने नोटिस भी जारी किया गया है। आबंटित भूमि की राशि जमा नहीं करने पर निगम द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी, जिसकी संपूर्ण जवाबदारी आबंटितो की होगी। भ्रमण के समय गौ पालको से इस संबंध में चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त येशा लहरे, कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उपअभियंता अर्पित बंजारे, सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, सहायक उद्यान अधिकारी संजय शर्मा, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अनिल मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

भिलाई विद्यालय में अंतर्शालेय ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा वार्षिक क्रियाकलाप 2025-26 के अंतर्गत दिनांक 21 जून 2025 को भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 में अंतर्शालेय ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में संयंत्र द्वारा संचालित विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर से 7 विद्यालयों, माध्यमिक स्तर से 8 विद्यालयों तथा उच्चतर माध्यमिक स्तर से 4 विद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों के लिए निर्धारित विषय क्रमशः-प्राथमिक स्तर पर प्रकृति एवं हम, माध्यमिक स्तर पर योग एवं स्वास्थ्य तथा उच्चतर माध्यमिक स्तर पर ऑपरेशन सिंदूर था, जिस बच्चों ने अपनी रचनात्मक सोच एवं सामाजिक समझ का परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य विजय सिंह पवार के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि, इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ न केवल छात्रों के आत्मविष्वास को सुदृढ़ करती हैं, बल्कि उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचानने और निखारने का सशक्त माध्यम भी बनती हैं। निर्णायक मंडल में शामिल आशुतोष ताम्रकार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा, आप सभी विजेता हैं। बहुत छोटी-छोटी तकनीकी त्रुटियों के आधार पर निर्णय लेकर विजेता का चयन किया जाता है। सभी बच्चे बिना निराश हुए अपनी कला को सतत अभ्यास द्वारा और बेहतर बनाने का निरंतर प्रयास करें।

प्रतियोगिता के निर्णायकगण श्री आशुतोष ताम्रकार और के. मोजेस थे, परिणामों की घोषणा वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती निशी शिवप्पा ने की। प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर से प्रथम आदर्श पॉल (ईएमएमएस, सेक्टर-7), द्वितीय विधि वर्मा (ईएमएमएस, सेक्टर-6) एवं तृतीय काव्या पाण्डेय (ईएमएमएस, सेक्टर-1) रही, वहीं माध्यमिक स्तर से प्रथम एस. दिव्यांशी (ईएमएमएस, सेक्टर-6), द्वितीय नव्या खोबरागड़े (ईएमएमएस-रुआबांधा) एवं तृतीय डी.अनुष्का (ईएमएमएस, सेक्टर-7) रही तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से प्रथम सोनम देवांगन (भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2), द्वितीय आदित्य तिवारी (एसएसएस, सेक्टर-7) एवं इशिता गुप्ता (एसएसएस, सेक्टर-10) तृतीय रहे। कार्यक्रम के दौरान भिलाई विद्यालय की छात्राओं द्वारा, संगीत शिक्षक सतीश मिश्रा एवं रजनी रजक के निर्देशन में एक मधुर स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन भावना चतुर्वेदी द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती सरिता कुमारी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की सफलता में देवेंद्र कुमार साहू, पवन कुमार अग्रवाल, संगीता मिश्रा, सरवन कुमार साहू, तथा मदन मोहन राव आदि का विशेष सहयोग रहा।

बीएसपी के अग्निशमन विभाग में शामिल हुए 6 नवीन फोम टेंडर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के अग्निशमन विभाग को सुरक्षा सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई, जब संयंत्र के अग्निशमन बेड़े में 6 नवीन फोम टेंडर औपचारिक रूप से सम्मिलित किए गए। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार ने विधिवत पूजन-अर्चन कर इन अत्याधुनिक अग्निशमन वाहनों को 24 जून 2025 को अग्निशमन विभाग को समर्पित किया।

समारोह में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यू) विजय कुमार बेहरा, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सर्विसेज़) तुषार कांत, मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) देबदत्त सतपथी, एमएमआईपीएम एवं पीपी एंड ई विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अग्निशमन विभाग के अधिकारीगण तथा अग्निशमन दल के सदस्यगण उपस्थित थे।

ज्ञातव्य है कि संयंत्र के पुराने 6 अग्निशमन वाहनों को सर्वे ऑफ कर हटाया गया है तथा उनके स्थान पर इन नवीन फोम टेंडर्स को सम्मिलित किया गया है। इस परियोजना की रूपरेखा एवं कार्यान्वयन में भिलाई अग्निशमन सेवा के प्रोजेक्ट ओनर, मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री बी. के. महापात्र तथा प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर अतिरिक्त मुख्य अग्निशमन अधिकारी संजय धवस की भूमिका महत्वपूर्ण रही। नवीन रूप से सम्मिलित ये 6 फोम टेंडर आधुनिक अग्निशमन व बचाव उपकरणों से लैस हैं तथा विभिन्न आपात स्थितियों में तेज़ी से कार्यवाही करने में सक्षम हैं।

जिला कार्यालयों में ई-ऑफिस के सुचारू संचालन हेतु प्रशिक्षण संपन्न, कलेक्टर ने साझा किया अनुभव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली के सफल क्रियान्वयन को लेकर बी.आई.टी. ऑडिटोरियम में दो पालियों में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न विभागों के विभाग प्रमुख, लिपिकों एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों ने भाग लिया। सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय के आदेशानुसार 1 अप्रैल 2025 से सभी विभागों को ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य करना अनिवार्य किया गया है।

प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स ने ई-ऑफिस के उपयोग, कार्य प्रणाली, लॉगिन से लेकर पत्र भेजने तक की प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक समझाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से नोटशीट बनाकर, उसे अनुमोदन के लिए भेजकर, संबंधित अधिकारी की स्वीकृति के पश्चात पत्र जारी किया जा सकता है। ट्रेनर्स ने बताया कि यह संपूर्ण प्रक्रिया पेपरलेस होगी और कार्यालयीन कार्य प्रणाली पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से संचालित होगी। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्रशिक्षण के दौरान अपने विचार साझा करते हुए कहा कि शुरुआत में सभी को थोड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा, लेकिन एक बार प्रणाली शुरू हो जाने के बाद कार्य करना बेहद सरल और पारदर्शी हो जाएगा। उन्होंने मसूरी में अपने प्रशिक्षण के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार अन्य राज्यों से आए अधिकारी ट्रेनिंग करने के बाद ई-ऑफिस के माध्यम से अपने ऑफिस के कार्य संपन्न कर लेते थे। उन्होंने यह भी कहा कि कोर्ट जैसे तत्काल मामलों में ई-ऑफिस बहुत उपयोगी सिद्ध होगा, जिससे जरूरी फाइलों पर कार्यवाही तत्काल संभव हो सकेगी। ई-ऑफिस प्रणाली से कार्यों में पारदर्शिता, समय की बचत और लंबित प्रकरणों में कमी आएगी। साथ ही अनावश्यक रूप से अधिकारियों और कर्मचारियों को अप्रूल के लिए कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। कलेक्टर ने कहा कि जैसे पहले टाइपराइटर से कार्य होता था, फिर कंप्यूटर आया, और अब सभी कंप्यूटर में काम करना पसंद करते हैं। ठीक उसी तरह ई-ऑफिस भी धीरे-धीरे सभी को अपनाना होगा। यदि किसी विभाग में हार्डवेयर (कंप्यूटर, प्रिंटर, स्कैनर) या बजट की आवश्यकता है, तो उसका प्रस्ताव तैयार कर भेजें। साथ ही उन्होंने सभी से साधारण नस्ती से शुरुआत कर धीरे-धीरे पूरी प्रणाली को ई-ऑफिस में परिवर्तित करने की अपील की।

छतों की मरम्मत का नया दौर-एपीपी तकनीक से मिल रहा बेहतर समाधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बरसात के मौसम में भिलाई टाउनशिप के कई मकानों की छतों से सीपेज आना एक सामान्य समस्या रही है। पहले इन छतों की मरम्मत के लिए टार फेल्टिंग प्रक्रिया का उपयोग किया जाता था, लेकिन यह तकनीक प्रभावी साबित नहीं हो रही हैं। अब इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग द्वारा अब टाउनशिप में छतों की मरम्मत के लिए एटैक्टिक पॉलीप्रोपाइलीन (एपीपी) तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है।

एपीपी तकनीक एक उच्च गुणवत्ता वाली सीलिंग प्रक्रिया है, जिसमें विशेष रूप से विकसित पॉलीप्रोपाइलीन सामग्री का उपयोग कर छतों की वॉटरप्रूफिंग की जाती है। यह तकनीक न केवल टार फेल्टिंग की तुलना में अधिक प्रभावशाली है, बल्कि लंबे समय तक चलने वाली और स्थायित्व भी देती है। विशेषज्ञों के अनुसार, एपीपी तकनीक बरसात के मौसम में रिसाव की समस्या को पूरी तरह समाप्त कर सकने में सक्षम है और रखरखाव की आवश्यकता को न्यूनतम कर देती है।

एनबीसीसी द्वारा क्रियान्वयन और गुणवत्ता पर निगरानी

इस कार्य को नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन (एनबीसीसी) द्वारा निष्पादित किया जा रहा है। निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण और निगरानी की जिम्मेदारी भी इसी संस्था को सौंपी गई है, जिससे काम की पारदर्शिता और टिकाऊपन सुनिश्चित हो सके।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में नई गति

एपीपी प्रक्रिया की शुरुआत संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग द्वारा विगत वर्ष की गई थी, जिसके अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 1,500 मकानों की छतों की मरम्मत की गई। सफलता के बाद इसे इस वर्ष और अधिक विस्तार दिया गया है। 2025-26 की पहली तिमाही तक टाउनशिप के 275 आवास व बीएमडीसी सहित 9 शासकीय भवनों में यह कार्य पूर्ण हो चुका है। वर्तमान में इस तकनीक से मरम्मत का कार्य 25,000 वर्गमीटर क्षेत्र में हो चुका है, साथ ही 1,000 और मकानों को इस वित्तीय वर्ष में शामिल किया जाना प्रस्तावित है।

इस तकनीक का सबसे बड़ा लाभ टाउनशिप में रहने वाले नागरिकों को मिल रहा है। पहले जहां बीएसपी आवासों में हर बरसात में छत से पानी टपकने की शिकायत आम थी, अब लोग राहत महसूस कर रहे हैं। एपीपी तकनीक के माध्यम से न केवल बेहतर समाधान मिला है, बल्कि मकानों की उम्र भी बढ़ जाएगी। हालांकि इस प्रक्रिया की लागत पारंपरिक विधि की तुलना में अधिक है, परन्तु इसके परिणाम और दीर्घकालिक लाभ इसे पूर्णतः न्यायोचित ठहराते हैं।

भविष्य की दिशा

भिलाई इस्पात संयंत्र टाउनशिप को और भी अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और टिकाऊ बनाने के लिए यह तकनीकी हस्तक्षेप एक महत्वपूर्ण कदम है। बीएसपी प्रबंधन का प्रयास है कि टाउनशिप में सभी पुराने मकानों को जहाँ जरुरत है, चरणबद्ध तरीके से इस तकनीक के तहत मरम्मत प्रदान की जाए, जिससे विशेषकर बारिश के मौसम में किसी भी निवासी को असुविधा का सामना न करना पड़े।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

अतिक्रमण पर निगम की कार्रवाईः दुकानदारों पर लगाया जुर्माना

रायपुर। रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार नगर निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उम्मेद सिंह के निर्देशानुसार चलाये जा रहे टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत मंगलवार को नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उड़न दस्ता की टीम द्वारा नगर निवेशक आभाष मिश्रा के मार्गदर्शन में राजधानी शहर रायपुर के मालवीय मार्ग में जयस्तम्भ चौक से सिटी कोतवाली चौक होकर गोलबाजार, बैजनाथपारा मुख्य मार्ग में वीडियोग्राफी करवाकर सड़क पर अवैध कब्जा जमाकर व्यवसाय कर रहे दुकानदारों पर 1000 रुपये से 5000 रुपए की चालानी कार्यवाही की गयी। इस दौरान कुल 1 लाख 3 हजार रुपए की चालानी कार्यवाही अभियान के अंतर्गत दुकानदारों पर की गयी। टीम प्रहरी का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

शहीद के परिजनों को किसी भी विभाग में अनुकंपा नियुक्ति देने अधिसूचना जारी

रायपुर। सामान्य प्रशासन विभाग ने नक्सल हिंसा में शहीद पुलिस सेवकों के आश्रित परिजनों को उनकी मांग पर पुलिस के अलावा अन्य विभाग में अनुकंपा नियुक्ति देने संबंधी कैबिनेट के निर्णय को अधिसूचित कर दिया है।कैबिनेट ने यह निर्णय 18 जून की बैठक में लिया था। इसमें शहीद पुलिस सेवकों के आश्रितों को उनकी मांग पर पुलिस के अलावा अन्य विभाग में किसी भी जिले संभाग में अनुकंपा नियुक्ति दी जा सकती है। कैबिनेट ने सुकमा में शहीद एएसपी आकाश गिरिपुंजे की पत्नी को नियुक्ति देने यह संशोधन किया था। साप्रवि ने अनुकंपा नियुक्ति के एग्जाई आदेश की कंडिका 13-3 की जगह इसे प्रतिष्ठापित करते हुए 15-7,15-10 के प्रावधान को शिथिल किया है। इसके साथ ही विभाग ने अनुकंपा नियुक्ति के भेजे जाने वाले प्रस्ताव के साथ आवश्यक दस्तावेज की चेक लिस्ट भी जारी किया है।

मुख्य मार्गों से हटाए बैनर -पोस्टर

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर मंगलवार को नगर निवेश मुख्यालय उड़न दस्ता और विभिन्न जोन नगर निवेश विभाग की टीमों द्वारा अभियान चलाकर विधानसभा मार्ग, शंकर नगर मुख्य मार्ग, संतोषी नगर मार्ग, जोन 4 क्षेत्र के विभिन्न मार्गो सहित भिन्न प्रमुख मार्गो में विद्युत पोलों, मार्ग विभाजकों, चौक-चौराहों से अवैध बैनर-पोस्टर हटाने कार्यवाही की गयी।

नाली के अंदर से गई पाइप लाईनों को तत्काल दूसरी जगह शिफ्ट करें और लीकेज को सुधारे

प्रभारी अपर आयुक्त व अधीक्षण अभियंता ने जल विभाग अभियंताओं की बैठक लेकर कार्य समीक्षा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम मुख्यालय में प्रभारी अपर आयुक्त श्रीमती कृष्णा खटीक एवं अधीक्षण अभियंता संजय बागडे ने सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता बद्री चंद्राकर, कार्यपालन अभियंता जल नरसिंह फरेन्द्र की उपस्थिति में सभी जोनो के जल विभाग के सहायक अभियंताओ और उपअभियंताओं की उपस्थिति में बैठक लेकर जल कार्य विभाग की कार्य समीक्षा करते हुए अभियंताओं को आवश्यक निर्देश दिये।

प्रभारी अपर आयुक्त ने निर्देशित किया कि जलविभाग के अभियंतागण स्वीकृति अनुसार योजना में विभिन्न जोनो द्वारा बिछाई जा रही डिस्ट्रीब्यूशन पाईप लाईन को सर्वे के बाद पानी टंकी से कनेक्ट करें ताकि शीघ्र नागरिको को सुव्यवस्थित जलापूर्ति की जा सके। जलापूर्ति करने के बाद उक्त क्षेत्रो को शीघ्र टैंकर मुक्त क्षेत्र घोषित करने की प्रशासनिक तैयारियां करे।

प्रभारी अपर आयुक्त और अधीक्षण अभियंता ने अभियंताओं के निर्देशित किया है कि नालियों के भीतर गई पाईप लाईनों को तत्काल सुरक्षित रूप से शिफ्ट करें और इसके साथ ही जोनो की टीमें जहां भी पाईप लाईन लीकेज मिले उन्हें तत्काल प्राथमिकता से सुधारने का कार्य करवाये। शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुगम तरीके से करवाना सुनिश्चित किया जाये। प्रभारी अपर आयुक्त ने अभियंताओ को नगर निगम क्षेत्र में पावरपंपो और हैण्डपंपो को डिसइंफेक्शन कार्य दिये गये निर्देशानुसार 3 चरणों में शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। प्रभारी अपर आयुक्त और अधीक्षण अभियंता ने वर्तमान में चल रहे पेयजल टैंकरों की जोनवार जानकारी ली एवं टैंकरो से जलआपूर्ति कार्य करने पर नागरिको को गर्मी में पेयजल उपलब्ध कराने मिली सहायता के संदर्भ में जानकारी ली।

प्रभारी अपर आयुक्त और अधीक्षण अभियंता ने अभियंताओं से इस पर प्रतिवेदन देने कहा कि इस वर्ष नलकूप खनन कार्य करवाने के बाद उक्त क्षेत्र में नागरिको के पेयजल की समस्या को दूर करने में कितना सहयोग मिला इस हेतु उन्होने प्रमाणिक और सत्यापित जानकारी देने के निर्देश दिये। प्रभारी अपर आयुक्त और अधीक्षण अभियंता ने मानसून में शुद्ध पेयजल आपूर्ति की तैयारियों की जानकारी लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

साथ ही यह भी निर्देश दिये गये कि कही भी चेम्बर खुले हुए या टूटे फुटे हो उन्हें तत्काल ढक्कन लगाकर ढक देवे अन्यथा कार्य होने पर बंद करवा दें और टूटे फुटे चेम्बरों में आवश्यक व्यवहारिक सुधार और मरम्मत का कार्य प्राथमिकता से जोन से करवाये। प्रभारी अपर आयुक्त और अधीक्षण अभियंता ने अभियंताओ को बारिश में शुद्ध पेयजल आपूर्ति राजधानी शहर में करने सभी आवश्यक तैयारियां प्राथमिकता से करने निर्देशित किया है।

रानी दुर्गावती वार्ड क्रमांक 49 अंतर्गत 700 मीटर में पाईप लाईन विस्तार कार्य जारी

नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 10 के क्षेत्र के अंतर्गत रानी दुर्गावती वार्ड क्र.49 अंतर्गत राशि रुपए 18.59 लाख का पाईप लाईन विस्तार कार्य लगभग 700 मीटर में किया जा रहा है, जिससे रिद्धी सिद्धी, रामाराम कालोनी में पानी की समस्या दूर हो सके। उक्त क्षेत्र में पाईप लाईन विस्तार हेतु रात में खुदाई की गई थी। जिसे पाईप लाईन डालने के पश्चात् रात में ही गड्ढे को पाटा गया है। उक्त क्षेत्र में पाईप लाईन विस्तार पूर्ण होने के पश्चात् टेस्टिंग कर कांक्रीटीकरण का कार्य किया जावेगा।

राशन दुकानदारों के हड़ताल पर चले जाने से उपभोक्ता परेशान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राशन दुकानदार संघ एवं विक्रेता कल्याण संघ द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर राशन दुकानदार हड़ताल पर चले गये जिसके कारण उपभोक्ताओं को काफी परेशानी हुई।

संघ के महासचिव विजय घृतलहरे से मिली जानकारी के अनुसार छग में 13 हजार राशन दुकानदार है जो कि 81 लाख राशन कार्डधरियों को चावल तेल, गुड सहित रिफाइनरी नमक का वितरण करते हैं। संघ की मांग है कि हमें चावल तथा अन्य सामानों की बिक्री के लिए जो कमीशन दिया जाता है वह काफी कम है इसमें वृद्धि की जाए। उन्होंने आगे बताया कि केंद्र सरकार के निर्देश पर राज्य शासन में तीन माह का चावल 105 किलो 106 किलो से लेकर 140 किलो प्रति यूनिट दिया जा रहा है। ई पाश मशीन की ग्रेडिंग नहीं होने के कारण आए दिन लड़ाई झगड़ा होता रहता है जिससे मारपीट की स्थिति बनी हुई है।

संघ के अनुसार हमने खाद्यमंत्री मुख्यमंत्री तथा सहित अन्य अधिकारियों को पत्र लिखकर अपनी मांग पूरी करने को कहा है। महासचिव के अनुसार तीन माह की चावल देने की अंतिम तिथि 30 जुलाई है जिसे बढ़ाने के लिए खाद्य सचिव ने केंद्र शासन को पत्र लिखा है। एपीए कार्डधारकों को 10 किलो चावल दिया जाना है प्रति यूनिट लेकिन कई स्थानों पर यह चावल नहीं मिल रहा है।

उन्होंने बताया कि यदि हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो राष्ट्रीय फेडरेशन के महासचिव एवं अन्य पदाधिकारियों से मिलकर पूरे देश में राशन दुकान बंद कर दी जाएगी। राज्य में राशन दुकानदारों द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत शक्कर चना गुड मिट्टी तेल एवं अमृत नमक का वितरण किया जाता है। तथा मध्यान्ह भोजन पूरक पोषण आहार की बेगारी कराई जाती है। हमें केंद्र सरकार के बराबर 90 रुपये प्रति क्विंटल कमीशन दिया जाना चाहिए। राशन वितरण में जो क्षति होती है एवं शार्टेज होता है उसकी भी क्षतिपूर्ति दी जानी चाहिए। महासचिव विजय कुमार घृतलहरे ने दावा किया कि हमारी हड़ताल पूरी तरह सफल रही है। लाखों उपभोक्ताओं का केवाइसी नहीं होने के कारण लाखों राशन कार्डधारियों को राशन नहीं मिल पा रहा है जिसके कारण उपभोक्ताओं में काफी आक्रोश है।

सराफा एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा सुरक्षा और जागरूकता पर दिया जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा का कार्यक्रम जांजगीर चांपा में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जांजगीर-चांपा की महिला सांसद कमलेश जांगड़े, अकलतरा विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह, चांपा के विधायक व्यास कश्यप पुलिस अधीक्षक विजय पांडे एवं बीआईएस के वैज्ञानिक की निदेशक एवं प्रमुख सुमन कुमार गुप्ता, छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल सोनी मौजूद थे। वार्षिक आमसभा में प्रदेश शासन के गृहमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में 100 संगठन के 500 से अधिक सदस्यों की भागीदारी रही।

जिसमें जागरूकता एवं सुरक्षा कार्यक्रम को लेकर को लेकर विचार मंथन कियागया। सराफा एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा में पुलिस महानिरीक्षक संजीव शुक्ला का भी जागरूकता संदेश का वाचन किया गया। छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल सोनी संविधान संशोधन पर प्रस्ताव लाया एवं इस पर विचार एवं निर्णय किया गया संविधान का नया प्रस्ताव पारित किया गया। जिसमें सभी को समानता का अधिकार पर चर्चा की गई। कमल सोनी ने बताया कि 22 जून को छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के गठन के 1 साल पूरा होने पर सराफा कारोबारी की सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जांजगीर चांपा में किया गया।

छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा एवं सुरक्षा जागरूकता खुले मंच केकार्यक्रम का आयोजन जिला जांजगीर चांपा सराफा एसोसिएशन के आठ संगठनों के द्वारा किया गया था। इस अवसर पर आमसभा एवं ज्वेलर्स जागरूकता सुरक्षा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद कमलेश जांगड़े ने कहा है कि छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल सोनी एवं उनके पदाधिकारी की टीम प्रदेश में सराफा कारोबारी एवं व्यापार को लेकर काफी सजग है एवं कारोबारी की सुरक्षा को लेकर भी भी हमारी सरकार के पुलिस विभाग के द्वारा छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन को एवं उनके सदस्यों को पूरा सहयोग किया जा रहा है।

सोसाइटियों में सूचक बोर्ड नियम का पालन नहीं प्रबंधक नहीं कर रहे डीएपी-यूरिया की एंट्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सहकारी सोसाइटियों में एक ओर जहां डीएपी और यूरिया की किल्लत बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर सोसाइटियों में किसानों को उपलब्ध कराई जाने वाली डीएपी, यूरिया सहित इफ्को, पोटाश, धान बीज आदि सामग्री से संबंधित स्टॉक की मात्रा एवं दर की एंट्री भी सूचक बोर्ड में दर्ज नहीं की जा रही है, जिसके कारण किसानों को इसकी जानकारी से भी वंचित रखा जा रहा है कि सोसाइटी में स्टॉक है या नहीं। सूचक बोर्ड में एंट्री नहीं होने से किसान भी सोसाइटी में स्टॉक या नहीं इसे लेकर भ्रमित हो रहे हैं, जिसका फायदा कई सोसाइटी प्रबंधक उठा रहे हैं।

स्टॉक होने के बाद भी डीएपी और यूरिया सहित अन्य सामग्री नहीं होना बताकर किसानों को बैरंग लौटाया जा रहा है, वहीं कई जगह स्टॉक की कम उपलब्धता बताकर निर्धारित से अधिक कीमत पर सामग्री बेचे जाने की भी शिकायतें सामने आई हैं।

राजधानी रायपुर जिले की कई सोसाइटियों में जाकर डीएपी, यूरिया, पोटाश सहित अन्य सामग्री के स्टॉक और सूचक बोर्ड की पड़ताल की। इस पड़ताल में सोसाइटियों में सूचक बोर्ड तो टंगे मिले, लेकिन उनमें कहीं भी स्टॉक की मात्रा एवं दर से संबंधित एंट्री नहीं मिली। इन सोसाइटियों के प्रबंधकों से सूचक बोर्ड में स्टॉक की एंट्री से संबंध जानकारी ली, तो उनके द्वारा तरह-तरह के बहाने बनाए गए। इनमें किसी ने कहां कि रोज एंट्री होती है, लेकिन आज देर हो गई है, तो किसी ने कहा कि कर्मचारी एंट्री करना भूल गया है, वैसे हर दिन एंट्री की जाती हैं।

उल्लेखनीय है कि सोसाइटियों में डीएपी एवं यूरिया की किल्लत होने से किसानों को बाजार से महंगे दर पर खरीदना पड़ रहा है, वहीं एक ओर सोसाइटियों में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध होने की बात कहीं जा रही है। इधर जिन सोसाइटियों में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, उन गांव के कुछ किसानों ने बताया कि सोसाइटियों में मांग के अनुसार डीएपी, यूरिया आदि सामग्री नहीं मिलने के कारण उन्हें निजी दुकानों से खरीदना पड़ा। इससे आशंका जताई जा रही है कि सोसाइटियों में सूचक बोर्ड में स्टॉक उपलब्धता की एंट्री नहीं कर किसानों को मौखिक रूप से गलत जानकारी देकर उन्हें खाद सामग्री बेची जा रही है।

माना स्थित 132 शाखा में सूचक बोर्ड में स्टॉक संबंधित एंट्री नहीं मिली। इस शाखा के प्रबंधक टेकराम बघेल ने पूछने पर स्टॉक की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्टॉक में डीएपी नहीं है, लेकिन एनपीके उपलब्ध है। यूरिया, पोटशा एवं सुपर फास्ट भी उपलब्ध है। स्टॉक की उपलब्ध होने के बाद सूचक बोर्ड में इसकी एंट्री नहीं की गई थी।

अमनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम तोरला कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित सोसायटी में भी सूचक बोर्ड तो लगा था, लेकिन उसमें खाद सहित अन्य सामग्रियों की मात्रा, दर की एंट्री नहीं की गई थी। इस सोसाइटी के प्रबंधक कमल नारायण साहू ने बताया कि उनके यहां भी 400 किसानों को एनपीके, यूरिया, पोटाश आदि वितरण किया गया है। इसके अलावा सोसाइटी में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। लगभग 100 किसान अभी सामग्री नहीं लिए है, जिसे बांटा जाना है।

छत्तीसगढ़ के 4 हजार पेंशनरों ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के 325 पेंशनरों ने निर्धारित प्रारूप बनाकर प्रधानमंत्री मोदी से आठवें वेतनमान में, जो 01.01.2026 से पहले सेवानिवृत्त पेंशनरों को आठवें वेतनमान आयोग 2026 की सिफारिशों के तहत लाभ दिलाने की मांग की है, जिसके लिए सभी पेंशनर चिंतित है। निर्धारित प्रारूप में रायपुर जिले के 325 पेंशनरों ने आवेदन सौंपे है। अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स फेडरेशन छत्तीसगढ़ के प्रांतीय अध्यक्ष चेतन भारती के नेतृत्व में प्रदीप वर्मा प्रांताध्यक्ष फोरम ऑफ रिटायर्ड डिप्लोमा इंजीनियर्स छग, पीके नामदेव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमा राज्य पेंशनर्स फेडरेशन मोरन्द्र सिंह साहू, पीकेएस चंदेल, आरके रिछारिया, पूर्व अध्यक्ष व्हीके चिवाने, उदयराम साहू, आशीष दास गुप्ता, चन्द्रशेखर नायडू, उदयराम साहू, स्वास्थ्य विभाग, एल. साहू व आरकेएस सोनी उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण अभियान में शामिल हुए रायपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कौशल्या माता विहार सेक्टर-4 स्थित कमल हाइट्स रेसिडेंशियल को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नन्द कुमार साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। साहू ने कार्यक्रम में 5 पौधे लगाए और अपने संबोधन में ऋषि-मुनियों के समय से चली आ रही वृक्षारोपण की परंपरा का उल्लेख किया।

उन्होंने वृक्षों की आयुर्वेदिक, धार्मिक एवं आर्थिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को हर्बल स्टेट के रूप में हरा-भरा बनाए रखने हेतु प्रत्येक नागरिक को कम से कम दो पौधे लगाकर उनकी सेवा करनी चाहिए। उन्होंने संगठित रूप से किए जा रहे इस पर्यावरणीय प्रयास के लिए सोसायटी के कार्यों की सराहना की और भविष्य में किसी भी आकस्मिक समस्या के समाधान के लिए पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। वृक्षारोपण अभियान में लगभग 200 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर सोसायटी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

29वीं एशियन यूथ टेबल टेनिस प्रतियोगिता- ताशकंद में विनय निर्णायक के रूप में हुए चयनित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ के तकनीकी समिति के सदस्य एवं अन्तर्राष्ट्रीय अंपायर विनय बैसवाड़े का चयन 26 जून से 2 जुलाई 2025 तक ताशकंद में आयोजित 29वीं एशियन यूथ टेबल टेनिस प्रतियोगिता 2025 हेतु किया गया है। इसके पूर्व भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में टेकनीकल ऑफिशियल के रुप में भाग ले चुके हैं । छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष विनय बैसवाड़े, अंतरराष्ट्रीय अंपायर एवं खिलाड़ी हैं तथा भारतीय जीवन बीमा निगम, मण्डल कार्यालय, रायपुर में कार्यरत है ।

इस उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला, छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के सचिव सार्थक शुक्ला, कोषाध्यक्ष सौरभ शुक्ला एवं समस्त पदाधिकारियों ने हार्दिक बधाई दी एवं शुभकामनाए दी। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के सह सचिव प्रेमराज जाचक ने दी।

पात्र हितग्राहियों के जल्द बनाए जाएं आयुष्मान कार्ड : डॉ. सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों की कार्यप्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

डॉ. सिंह ने कहा कि सीमांकन, त्रुटि सुधार, अविवादित नामांतरण, पात्र खसरे का बटांकन जैसे प्रकरणों को प्राथमिकता में लेकर त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी प्रकरण राजस्व कार्यालयों में अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहना चाहिए। कलेक्टर ने आरसीसी (राजस्व न्यायालय) और पंचायत स्तर के प्रकरणों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को इनका शीघ्र निपटान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रकरणों का त्वरित समाधान आम जनता को राहत पहुंचाने के लिए अत्यंत आवश्यक है, यह शासन की प्राथमिकता है। कलेक्टर डॉ. सिंह ने जिला स्तरीय कॉल सेंटर, हेल्पलाइन, जनदर्शन में लंबित मामलों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को इनके शीघ्र निराकरण हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए।

मीना कुमारी की बायोपिक में नजर आ सकती हैं कियारा आडवाणी, निर्माताओं ने किया संपर्क

पिछले काफी समय से बॉलीवुड की ट्रैजडी क्वीन मीना कुमारी की जिंदगी को बड़े पर्दे पर लाने की चर्चा हो रही है, जिसके लिए मुख्य अभिनेत्री से जुड़ी नई-नई खबरें सामने आती रहती हैं। पहले मीना की भूमिका के लिए कृति सैनन से सपर्क किया गया था। चर्चा थी कि वह फिल्म के लिए हामी भी भर चुकी हैं। अब ताजा खबर यह है कि मीना की बायोपिक के लिए अभिनेत्री कियारा आडवाणी से संपर्क किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, मीना की बायोपिक की हीरोइन कियारा होंगी। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने उनसे संपर्क किया है। निर्माताओं ने कियारा को फिल्म की स्क्रिप्ट सुना दी है। कहा जा रहा है कि अभिनेत्री को फिल्म की कहानी भी पसंद आ गई है। निर्माताओं का मानना है कि मीना की भूमिका के लिए कियारा सही विकल्प हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान फिल्म महाराज के निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने संभाली है।

काम के मोर्चे पर बात करें तो किराया जल्द ही फिल्म वॉर 2 में नजर आएंगी। इस फिल्म में ॠतिक रोशन और जूनियर एनटीआर भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यानी 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा कियारा के पास फिल्म टॉक्सिक भी है, जिसके हीरो सुपरस्टार यश हैं। बता दें कियारा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं। वे जल्द ही मां बनने वाली हैं।

एक्टर पंकज त्रिपाठी ने किया अपनी नई फिल्म का ऐलान अभिनेत्री अदिति राव हैदरी के साथ करेंगे रोमांस

अभिनेता पंकज त्रिपाठी पिछली बार वेब सीरीज क्रिमिनल जस्टिस-4 में नजर आए थे। हर सीजन की तरह चौथे सीजन में भी उन्होंने अपनी शानदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता। एक ओर जहां पंकज फिल्म मेट्रो...इन दिनों में नजर आने वाले हैं, वहीं इसकी रिलीज से पहले अब उन्होंने अपनी एक नई फिल्म का ऐलान भी कर दिया है। खास बात यह है कि इसमें अभिनेत्री अदिति राव हैदरी उनकी जोड़ीदार होंगी।

पंकज ने फिल्म की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। उन्होंने एक्स पर अदिति के साथ अपनी तस्वीरें साझा कर लिखा, परिवार, हंगामा और लखनऊ का स्वाद। बेहद प्रतिभाशली अदित राव हैदरी के साथ पारिवारिक मनुरंजन की शूटिंग शुरू कर दी है। वरुण वी शर्मा इस फिल्म के निर्देशक हैं। फिल्म में पारिवारिक ड्रामा देखने को मिलेगा, जिसमें पंकज के साथ अदिति भी कॉमेडी का छौंक लगाती दिखेंगी। अदिति और पंकज की बेमेल जोड़ी इस फिल्म का मुख्य आकर्षण होगी।

इस पर पंकज ने कहा, स्क्रिप्ट में कुछ ऐसा था, जो बेहद आकर्षक और मजेदार था, इसलिए मैं मना नहीं कर सका। यह एक ऐसी कहानी है, जो अपनी गर्मजोशी के साथ चुपके से आपके दिल को छू जाती है। अदिति संग काम करने का यह मेरा पहला मौका है और मैंने हमेशा उनके अभिनय की सराहना की है। वरुण शर्मा, अली अब्बास जफर और निर्माता विनोद भानुशाली के साथ काम करने के लिए मैं बेहद उत्साहित हूं।

अदिति भी इस फिल्म से जुड़कर बहुत खुश हैं। वह बोलीं, जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मैं बस मुस्कुराती रही। मैं तो यह कहूंगी इस ब्रह्मांड में ऐसी कहानी मिलना दुर्लभ है। इस पर किसी का भी दिल आ जाएगा। पंकज सर के साथ काम करनामेरे लिए यकीनन एक शानदार ट्रीट है। वह इस शैली के उस्ताद हैं और मेरे लिए यह एक बड़ा सीखने का अनुभव और खुशी देने वाला अनुभव होने वाला है।

निर्देशक वरुण कहते हैं, यह कहानी मेरे दिल के बेहद करीब है। हम पंकज और अदिति को साथ लाने के लिए बेहद उत्साहित हैं। वरुण इससे पहले सलमान खान की भारत और सुल्तान जैसी फिल्मों के लेखक रहे हैं। पारिवारिक मनुरंजन उनके निर्देशन में बनने वाली पहली फीचर फिल्म होगी, जिससे अली अब्बास जफर बतौर क्रिएटिव प्रोड्यूसर जुड़े हैं। उधर जहां पंकज फिल्म मेट्रो..इन दिनों के प्रचार में जुटे हैं, वहीं अदिति वेब सीरीज ओ साथी रे में नजर आएंगी।

श्री माया एंटरटेनमेंट्स की कॉमेडी एंटरटेनर डॉन बॉस्को में मिरना मेनन मुख्य भूमिका में

उभरते हुए प्रोडक्शन हाउस श्री माया एंटरटेनमेंट्स एक मजेदार कॉमेडी एंटरटेनर डॉन बॉस्को लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म को निर्माता सैलेश रामा ने बनाया है। इस फिल्म में सफल निर्माता नागा वामसी के जीजा रुश्या मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म हाल ही में लॉन्च हुई है और इसकी शूटिंग तेजी से चल रही है।

आज, निर्माताओं ने खूबसूरत मिरना मेनन को फिल्म में शामिल किया है, जिन्हें जेलर और ना सामी रंगा के लिए जाना जाता है। मुरली शर्मा प्रिंसिपल विश्वनाथ की मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, और मिरना मेनन लेक्चरर सुमति की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म में मौनिका, राजकुमार कासिरेड्डी, विष्णु ओई और अन्य कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, जो एक मनोरंजक यात्रा का वादा करते हैं।

फिल्म का नाम डॉन बॉस्को है और पोस्टर पर दिलचस्प कैप्शन है क्लास रीयूनियन में आपका स्वागत है - बैच 2014 और सभी रीयूनियन यादों के बारे में नहीं होते; कुछ मोचन के बारे में होते हैं, जो जिज्ञासा को बढ़ाता है। इस रोमांचक मनोरंजक फिल्म को शंकर गौरी ने लिखा और निर्देशित किया है। एडुरोलू राजू सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं जबकि मार्क के रॉबिन संगीत दे रहे हैं।

ग्रीन स्विमसूट में एली अवराम ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

बॉलीवुड एक्ट्रेस एली अवराम ने एक बार फिर अपने सिजलिंग अवतार से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। एक्ट्रेस ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी एक हॉट तस्वीर शेयर की है जिसमें वह बीच किनारे रेत पर लेटी नजर आ रही हैं।

उन्होंने नियॉन ग्रीन कलर का स्विमसूट पहना हुआ है और यह फोटो बेहद ग्लैमरस लग रही है। एली ने इस पोस्ट के साथ लिखा, रविवार का मूड बिस्तर पर लेकिन मानसिक रूप से समुद्र तट पर, जिससे उनका रिलैक्स और बीची वाइब्स वाला मूड साफ जाहिर होता है। तस्वीर में वह आंखें बंद किए हुए, बेहद सहज और स्टनिंग नजर आ रही हैं। उनका यह फोटो पोस्ट होते ही वायरल हो गया और अब तक इसे 17,000 से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं।

उनकी इस फोटो पर फैंस के साथ-साथ सेलेब्स ने भी तारीफों की बारिश कर दी है। किसी ने उन्हें बताया, तो किसी ने मेरा सुंदर कहकर अपना प्यार जताया। इंस्टाग्राम पर यह पोस्ट अब ट्रेंड कर रही है और हर कोई एली की इस अदा का दीवाना हो गया है।

एली अवराम हमेशा ही अपने बोल्ड और एफर्टलेस फैशन स्टेटमेंट से चर्चा में रहती हैं। चाहे रेड कारपेट हो या बीच वकेशन, एक्ट्रेस का हर लुक फैशन गोल्स सेट करता है। उनका ये बीच लुक इस बात का सबूत है कि वह ग्लैमर और ग्रेस का परफेक्ट कॉम्बिनेशन हैं। फिलहाल, एली के इस हॉट अवतार को देखकर फैंस उनकी अगली फिल्म या प्रोजेक्ट की झलक देखने के लिए बेसब्र हो गए हैं।

अक्षरधामः ऑपरेशन वज्र शक्ति से एक्टर अक्षय खन्ना की पहली झलक जारी, 4 जुलाई को रिलीज होगी फिल्म

अक्षय खन्ना पिछली बार फिल्म छावा में नजर आए थे, जिसमें उन्होंने औरंगजेब की भूमिका निभाई थी। फिल्म में उनके काम को काफी पसंद किया गया था, वहीं बॉक्स ऑफिस पर भी इस फिल्म ने खूब धमाल मचाया। अब अक्षय जल्द ही फिल्म अक्षरधामः ऑपरेशन वज्र शक्ति में नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान केन घोष ने संभाली है। अब अक्षरधामः ऑपरेशन वज्र शक्ति से अक्षय से पहली झलक सामने आ गई है, जिसमें उनका धाकड़ अवतार दिख रहा है।

पोस्टर में अक्षय को हाथ में बंदूक लिए हुए देखा जा सकता है। फिल्म में वह राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के अधिकारी मेजर हनुत सिंह की भूमिका निभा रहे हैं। अक्षय के अलावा इस फिल्म में गौतम रोडे, विवेक दहिया, अक्षय ओबेरॉय और अभिलाष चौधरी जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। अक्षरधामः ऑपरेशन वज्र शक्ति का ट्रेलर 24 जून को रिलीज किया जाएगा, वहीं यह फिल्म 4 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

कांच की बोतलों में होते हैं प्लास्टिक की बोतलों से 50 गुना ज्यादा माइक्रोप्लास्टिक

घर की रसोई में जिन पदार्थों का हम रोजाना इस्तेमाल करते हैं, इन दिनों उनमें माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी दर्ज की जा रही है। अब तक सामने आया था कि प्लास्टिक से बनी बोतलों और डिब्बों में ये महीन कण मौजूद होते हैं। हालांकि, एक नए अध्ययन ने इस विषय में एक आश्चर्यजनक खुलासा कर दिया है। दरअसल, इस शोध से सामने आया है कि प्लास्टिक की बोतलों की तुलना में कांच से बनी बोतलों में ज्यादा माइक्रोप्लास्टिक पाए जाते हैं।

फ्रांस की खाद्य सुरक्षा एजेंसी एन्सेस द्वारा किए गए इस अध्ययन को जर्नल ऑफ फूड कम्पोजीशन एंड एनालिसिस नामक पत्रिका में प्रकाशित किया गया था। इसमें पाया गया है कि कांच की बोतलों में रखे पेय पदार्थों में प्लास्टिक की बोतलों या धातु के डिब्बों की तुलना में कई गुना अधिक माइक्रोप्लास्टिक होते हैं। शोधकर्ताओं द्वारा कांच की बोतलों में प्रति लीटर 100 माइक्रोप्लास्टिक पाए गए। यह प्लास्टिक के कंटेनरों में पाए गए कणों से 50 गुना अधिक है।

फ्रांस के रहने वाले पीएचडी छात्र इस्लिन चैब के नेतृत्व में इस अध्ययन को पूरा किया गया था। शोधकर्ताओं को उम्मीद थी कि पेय पदार्थों की पैकेजिंग के लिए प्लास्टिक की जगह पर कांच एक सुरक्षित विकल्प होगा। हालांकि, जो नतीजे सामने आए वह बिलकुल उलटे थे। इस शोध को पूरा करने के लिए फ्रांस में बेचे जाने वाले विभिन्न प्रकार के पेय पदार्थों की पैकेजिंग की जांच की गई थी, ताकि माइक्रोप्लास्टिक्स की मात्रा का पता लगाया जा सके।

जांच करने पर सामने आया कि कांच की बोतलों से निकलने वाले महीन कणों का आकार, रंग और संरचना उनके ढक्कनों के बाहर लगे पेंट के समान थे। एजेंसी ने एक बयान में कहा, ढक्कनों पर पेंट के निशान भी थे, जो इतने महीन थे कि आंखों से दिखाई नहीं देते थे। बंद करते समय जब ये ढक्कन एक दूसरे से रगड़ खाते हैं तो इनमें छोटी-छोटी खरोंचें पड़ जाती हैं, जिनसे प्लास्टिक के कण निकलते हैं।

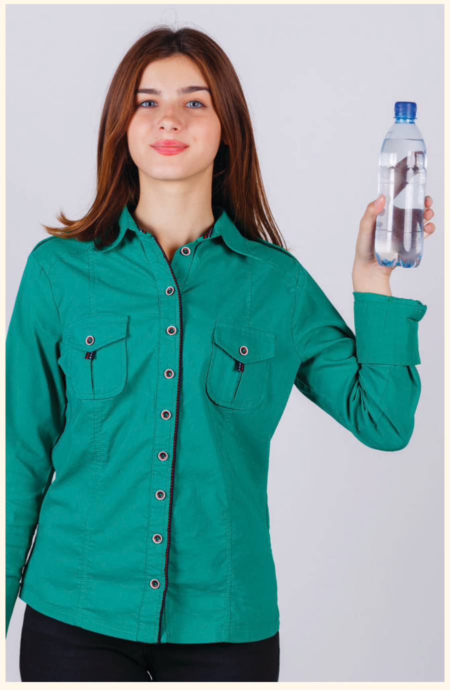

सभी प्रकार की पैकेजिंग में बिकने वाले पानी में माइक्रोप्लास्टिक का स्तर कम था। कांच की बोतलों में बंद पानी में प्रति लीटर लगभग 4.5 कण थे। सॉफ्ट ड्रिंक, नींबू पानी और बीयर में माइक्रोप्लास्टिक की मात्रा बहुत अधिक थी, जो प्रति लीटर 30-60 थी। इन पेय पदार्थों को आमतौर पर पेंट किए गए ढक्कनों से बंद किया जाता है, जिनके कारण इसमें माइक्रोप्लास्टिक घुलते हैं। पेंट वाले ढक्कन होने के बाद भी वाइन में बहुत कम माइक्रोप्लास्टिक पाए गए।

खाद्य या पेय में माइक्रोप्लास्टिक के खतरनाक स्तर को निर्धारित करने के लिए कोई अंतरराष्ट्रीय मानक नहीं है। इसलिए, यह निर्धारित करना मुश्किल था कि क्या ये स्तर स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा करता है या नहीं। हालांकि, एन्सेस ने हवा, पानी और शराब से ढक्कनों को साफ करके एक परीक्षण किया, जिससे संदूषण 60 प्रतिशत तक कम हो गया। इसे माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी को घटाने का प्रभावी उपाय माना जा सकता है।

एक्सरसाइज करने से आप बन सकते हैं युवा और बुढ़ापा भी रहेगा दूर

एक्सरसाइज करने के फायदों से तो हम सभी वाकिफ हैं। इसकी मदद से मांसपेशियां मजबूत होती हैं, वजन घटता है, ताकत बढ़ती है और बीमारियों से सुरक्षित रहने में मदद मिलती है। हालांकि, अब एक नया अध्ययन किया गया है, जिसमें सामने आया है कि युवा बने रहने का एक्सरसाइज से अच्छा कोई उपाय नहीं हो सकता। अध्ययन के मुताबिक, एक्सरसाइज करने से एक खास तरह का प्रोटीन उत्पन्न होता है, जो बुढ़ापे के लक्षणों को रोकता है।

इस अध्ययन को नेचर कम्युनिकेशंस नामक पत्रिका में प्रकाशित किया गया था और इसे दक्षिण कोरिया में पूरा किया गया है। शोध से पता चला है कि जब हम एक्सरसाइज करते हैं तो हमारी मांसपेशियां एक शक्तिशाली प्रोटीन छोड़ती है। यह प्रोटीन जैविक टाइम मशीन की तरह काम करता है और बढ़ती उम्र के साथ मांसपेशियों और हड्डियों की ताकत में जो गिरावट आती है, उसे बहाल करने का काम करता है।

इस प्रोटीन का नाम साइटोकाइन फैक्टर-1 (सीएलसीएफ-1) है, जो कि कसरत करते समय रक्तप्रवाह में तेजी से बढ़ने लगता है। यह प्रोटीन बढ़ती उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान करने में मदद करता है और शरीर की ताकत को बढ़ाकर युवाओं जैसी ऊर्जा लाता है।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, उम्र बढ़ने के साथ सीएलसीएफ1 का स्तर स्वाभाविक रूप से कम हो जाता है, लेकिन नियमित एक्सरसाइज से इसे दोबारा युवा स्तर पर लाया जा सकता है।

इस अध्ययन को पूरा करने के लिए दक्षिण कोरिया के शोधकर्ताओं ने चूहों पर परिक्षण किया था। जब उन्होंने बुजुर्ग चूहों को सीएलसीएफ-1 दिया, तो उनकी मांसपेशियों की ताकत और हड्डियों का घनत्व कम उम्र के चूहों के बराबर हो गया। इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह थी कि जब वैज्ञानिकों ने प्रोटीन की गतिविधि को रोक दिया, तो ज्यादातर एंटी-एजिंग लाभ बेअसर हो गए। इसके बाद यह अध्ययन बुजुर्ग और युवा लोगों पर भी किया गया।

शोधकर्ताओं ने प्रशिक्षण से पहले और बाद में अलग-अलग उम्र के लोगों के मांसपेशियों के नमूनों में जीन गतिविधि का विश्लेषण करके सीएलसीएफ-1 के महत्व की खोज की। उन्होंने पाया कि युवाओं में कसरत के दौरान बहुत ज्यादा सीएलसीएफ1 बनता है, वहीं बुजुर्गों में इसका उत्पादन बहुत कम होता है। अध्ययन से सामने आया कि सीएलसीएफ1 ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है। इसके जरिए मांसपेशियां ऊर्जा को कुशलतापूर्वक उपयोग कर पाती हैं, जिससे कमजोरी नहीं होती।

सीएलसीएफ-1 मायोकाइन नामक प्रोटीन के परिवार से संबंधित है। मायोकाइन एक्सरसाइज के दौरान शरीर के बाकी हिस्सों को संदेश भेजने का काम करता है कि मांसपेशियों पर क्या असर पड़ रहा है। कुछ संदेश वसा कोशिकाओं को ऊर्जा जलाने के लिए कहते हैं, वहीं अन्य हड्डियों को मजबूत बनाने का निर्देश देते हैं। ये मूड और याददाश्त को बेहतर बनाने में असरदार साबित होते हैं। अगर आप भी बुढ़ापे के असर को कम करना चाहते हैं तो नियमित एक्सरसाइज करें।

जनभागीदारी से स्वच्छता के उच्च मानक निर्धारित कर सकती हैं ग्राम पंचायतें - डॉ आशुतोष

जिले की ग्राम पंचायतों में निजी सर्वेक्षण संस्था द्वारा जल्द होगा आकस्मिक स्वच्छता सर्वेक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। कोरिया जिले में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत के ग्राम पंचायतों में जल्द ही स्वच्छता सर्वेक्षण होना है। इसके लिए भारत सरकार द्वारा एक निजी एजेंसी को सर्वेक्षण कार्य सौंपा गया है। स्वच्छ भारत मिशत अंतर्गत प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर स्वच्छता सर्वेक्षण कराए जाने के प्रावधान हैं। यह ग्राम पंचायतों में स्वच्छता के स्तर को प्रोत्साहित करने और इसमें जनभागीदारी बढ़ाए जाने के लिए किया जाता है।

राष्ट्रीय स्तर पर नियुक्त एजेंसी द्वारा आज से लेकर अगस्त माह तक में किसी भी समय किसी भी ग्राम पंचायत में पहुंचकर यह सर्वेक्षण किया जाएगा। जिले के किसी भी ग्राम पंचायत में सर्वेक्षण टीम द्वारा यह औचक निरीक्षण की तरह पहुंचकर किया जाएगा। इस सर्वेक्षण के द्वारा एजेंसी द्वारा चार बिंदुओं के आधार पर ग्राम पंचायतों में स्वच्छता के मानक स्तर तय किए जाएगे। एजेंसी द्वारा निर्धारित पैरामीटर के आधार पर जिले की स्वच्छता रैंकिंग तय की जाएगी।

ग्राम पंचायतों में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत होने वाले औचक सर्वेक्षण में जिले को उत्कृष्ट स्थान दिलाने के लिए जनभागीदारी को सर्वाधिक महत्वपूर्ण बतलाते हुए जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा कि कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने क्लीन कोरिया ग्रीन कोरिया का नारा दिया है। इसके शत प्रतिशत प्रभावी क्रियान्वयन के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा। स्वच्छता सर्वेक्षण में जिले को अच्छा स्थान दिलाने के लिए उन्होंने कई बिंदुओं पर अपने सुझाव साझा करते हुए कहा कि कोरिया जिले के हर ग्राम पंचायत में रहने वाले प्रत्येक रहवासी अपने शौचालय का उपयोग करें और उसकी नियमित साफ-सफाई पर ध्यान दें। सभी घरों से निकलने वाले दूषित जल को सोख्ता गढ़ढों में या फिर किचन गार्डन में उपयोग करें। उन्होने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर घरो में निकलने वाले हरे कचरे से जैविक खाद बनाकर खेतों और बाड़ी में उपयोग करे। अपने आस पास साफसफाई का विशेष ध्यान रखें और साथ ही कंही भी कचरा ना फेंकें। डॉ आशुतोष ने कहा कि ग्राम स्तर पर प्रत्येक संस्थाएं जैसे स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र, धार्मिक स्थान, ग्राम पंचायत भवन, हाट बाजार परिसरों में स्वच्छता के लिए तरल एवं ठोस कचरा प्रबंधन के लिए डस्टबिन आदि का उपयोग करें।

सर्वेक्षण के विषय: राष्ट्रीय स्तर पर नियुक्त की गई एजेंसी एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा जिले में स्वच्छता सर्वेक्षण किया जाना है। एक हजार अंको में रैंकिंग का निर्धारण के लिए जनता की राय, सेवा स्तर पर की गई प्रगति, सर्वेक्षण में पाए गए तथ्य और कचरे के निपटान के लिए स्थापित इकाईयों के प्रचलन की स्थिति यानी कुल चार बिंदु तय किए गए हैं। इन पैरामीटरों पर सर्वे दल द्वारा मौके पर ही मार्किंग की जाएगी जिससे ग्राम पंचायत और फिर जिले में स्वच्छता की रैंकिंग प्रदान की जाएगी।

फैंसी स्टोर से सजे वेदकुमारी के सपने

आत्मनिर्भरता से घर की आर्थिक स्थिति हुई मजबूत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आत्मनिर्भर भारत में महिलाएं आज हर क्षेत्र में पुरूषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल रहीं हैं और आत्मनिर्भर बन रहीं हैं। ऐसी ही आत्मनिर्भरता से अपने घर की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाई हैं, धमतरी विकासखंड के ग्राम पंचायत सोरम की श्रीमती वेदकुमारी साहू ने। वेदकुमारी कहतीं हैं कि ''सपनों की दुकान जब हिम्मत से सजे, तो जिंदगी खुद ब खुद खूबसूरत हो जाती है।

वे बतातीं हैं कि वे एम.ए. तक पढ़ीं हैं और अपने पति के साथ मनरेगा मजदूरी का काम कर रहीं थीं। मजदूरी करते-करते ही उनके मन में व्यवसाय करने की इच्छा हुई। तब वेदकुमारी को छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ''बिहान'' की जानकारी मिली और वे जय मां दुर्गा महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ गईं। इसके बाद सार्थक महिला क्लस्टर संगठन रुद्री के माध्यम से फैंसी स्टोर संचालन के लिए व्यक्तिगत ऋण के तौर पर ढाई लाख रुपए और बैंक लिंकेज ऋण आठ लाख रुपए भी लिया। इस राशि से उन्होंने गांव में नवजागरण चौक के पास फैंसी स्टोर शुरू किया। इस फैंसी स्टोर में चूड़ियां, बिंदी, क्रीम, पाउडर, मेंहदी, सिंदूर, हेयर क्लिप, आर्टिफिशियल गहने, पर्स, उपहार सामग्री आदि बेचने लगीं। श्रीमती वेदकुमारी त्यौहारों के समय में फैंसी सामग्रियों में विशेष छूट देती हैं और त्यौहार के अनुरूप सजावट के साथ बेचतीं हैं, जिससे उनकी बिक्री दोगुनी हो जाती है। अब उनकी फैंसी दुकान स्थानीय महिलाओं की पहली पसंद बन चुकी है। इससे वेदकुमारी को हर महीने 10 से 12 हजार रूपए की शुद्ध आमदनी मिलने लगीं। इतना ही नहीं गांव और आसपास के गांवों में वेदकुमारी ठेले के जरिए भी फैंसी सामग्रियां बेचतीं हैं, जिसमें उनके पति सहायता करते हैं। इससे उनके घर की ज़रूरतें तो पूरी हो ही रहीं हैं, इसके साथ ही बच्चों की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं के लिए राशि का बचत भी हो जाता है।

वेदकुमारी का फैंसी स्टोर गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गया है। श्रीमती वेदकुमारी गांव की अन्य महिलाओं और युवतियों को भी अपने व्यवसाय की पहचान और मार्केटिंग के बारे में जानकारी देती रहतीं हैं।

बांस की खेती को लेकर जिले में बनायी जायेगी योजना-कलेक्टर मिश्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। एक दिवसीय समग्र बांस विकास सम्मेलन का आयोजन आज स्थानीय शासकीय श्रवण बाधितार्थ विद्यालय में किया गया। इस मौके पर कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि बांस एक ऐसा बहुउपयोगी प्राकृतिक संसाधन है, जो न केवल आजीविका के नए अवसर प्रदान करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि जिले के गंगरेल और तुमऱाबाहरा में बांस की खेती को लेकर विशेष कार्य योजना बनाई जा रही है। श्री मिश्रा ने यह भी बताया कि जिले की विशेष पिछड़ी जनजाति बसाहटों में कमार परिवारों द्वारा बांस से बनी सामग्रियां तैयार की जा रही हैं, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से लाभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में बांस के विशेषज्ञ एवं सेवानिवृत्त आईएफएस ए.के. भट्टाचार्य द्वारा बांस आधारित महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही है, जिसका लाभ आप सभी उठायें। कलेक्टर ने किसानों से अपील किया कि वे भट्टाचार्य द्वारा दी गई जानकारियों को आत्मसात करें। इस अवसर पर डीएफओ श्री कृष्ण जाधव, कृषि एवं वन विभाग के अधिकारी, व्यापारी वर्ग एवं जिले भर से आए किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर बांस विशेषज्ञ श्री भट्टाचार्य ने बांस की खेती, उसके प्रकार, प्रबंधन और विपणन के साथ-साथ बांस आधारित आजीविका के अवसरों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बांस, प्लास्टिक और स्टील का बेहतरीन विकल्प है, और इसका हर भाग किसी न किसी रूप में उपयोगी होता है। उन्होंने किसानों को बताया कि बांस से न केवल पारंपरिक चीजें, बल्कि आधुनिक घरेलू और सजावटी सामग्रियाँ जैसे फर्नीचर, लैंप, पेन स्टैंड, झाड़ू, सूपा, बर्तन, टूथब्रश, पानी की बोतलें, ज्वेलरी आदि भी बनाए जा सकते हैं, जिनकी बाजार में काफी मांग है। बांस विशेषज्ञ श्री भट्टाचार्य ने बांस के फायदों की जानकारी देते हुए कहा कि बांस लंबे समय तक आय का स्त्रोत साबित होता है, बांस एक बार लगाने पर वर्षों तक आय देता है। वहीं बांस पर्यावरण के लिए फायदेमंद मिट्टी कटाव रोकता है, कार्बन अवशोषण करता है और जल संरक्षण में सहायक होता है।

जो कहते है वो करते है - अजय भसीन

व्यापार की संभावनाओ को सही दिशा व दशा प्रशस्त करने महामंत्री का बस्तर दौरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छ ग चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के महामंत्री अजय भसीन व्यापार की संभावनाओ को तलाशने ,सही दिशा व दशा प्रशस्त करने के लिए पूरे दल के साथ बस्तर का दौरा किया। महामंत्री अजय भसीन ने जानकारी देते हुए बताया कि चेम्बर के शपथ ग्रहण समारोह में माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपने उदबोधन में कहा था कि हम बस्तर को नक्सल से मुक्त करेंगे।मुख्यमंत्री जी के इस कथन पर महामंत्री अजय भसीन ने अपने उदबोधन में कहा था कि आप नक्सल मुक्त करते जाय हम व्यापार युक्त करते जाएंगे।

अपने इस कथन को चरितार्थ करते हुए चेम्बर का दल बस्तर में व्यापार की संभावनाओ को तलाशने जगदलपुर में सी ए प्रतिनिधि दल से मिला।

सी ए प्रतिनिधि दल और चेम्बर ऑफ कामर्स द्वारा बस्तर में कृषि और वनोपज का संग्रहण, पारंपरिक शिल्प और कला, लघु और कुटीर उद्योग, और खनिज संपदा की अपार संभावनाएं है।

वनोपज में तेंदू पत्ता, लाख, महुआ, चिरौंजी, इमली, शहद, और औषधीय जड़ी-बूटियां जिसका हम देश ,विदेश में व्यापार बढ़ा सकते है।

बस्तर शिल्प को लेकर भी अपार संभावनाएं दिख रही है,और इस कार्य के लिए व्यापार को आगे बढ़ाने चेम्बर ऑफ कामर्स की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।चेम्बर ऑफ कामर्स व्यापारियों को प्लेटफार्म देगा।

इसी संबंध में अजय भसीन व दल बस्तर चेम्बर ऑफ कामर्स के प्रतिनिधि मंडल से मिला।बस्तर चेम्बर की टीम के साथ भी व्यापार की संभावनाओ पर चर्चा की गई। बस्तर में अत्यधिक उत्पादित इमली को वृहद बाजार देने पर चर्चा की।

बाजार की संभावनाओ पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों के साथ भी विधायक कार्यालय में बैठक की गई।एम. एस. एम. ई .की योजनाओं पर चर्चा के उद्योगो को बढ़ावा देने पर विशेष चर्चा की गई। अजय भसीन के नेतृत्व में चेम्बर का दल जगदलपुर के महापौर संजय पांडेय से मिला ।

अजय भसीन ने महापौर जी से व्यापारियों की बाजार में मूलभूत सुविधाएं जिसमे नाली, प्रकाश व्यवस्था,सफाई व्यवस्था व अन्य विषयों पर चर्चा की। जगदलपुर के महापौर श्री संजय पांडेय जी ने जगदलपुर की बाजारों को सुव्यवस्थित व सम्पूर्ण सुविधा प्रदान करने का पूर्ण आश्वासन दिया। बस्तर दौरे में चेम्बर का दल एक सकारात्मक परिणाम की ओर आगे बढ़ रहा है। दौरे की मुख्य बात यह रही कि सभी संगठनो ने महामंत्री अजय भसीन व दल का स्वागत किया और चेम्बर की इस पहल का अभिनंदन किया।सभी संगठनो ने चेम्बर के साथ मिलकर आगे बढ़ने का प्रण किया। अजय भसीन के साथ शंकर सचदेव,सुनील मिश्रा,भोलानाथ सेठ,चिन्ना राव,प्रेम गहलोत व अन्य सदस्य उपस्थित थे।

डोर टू डोर सर्वे करते हुए वंचित वर्ग का चिन्हांकन कर योजनाओं से लाभ प्रदान करें

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। कोरिया जिले के संयुक्त सभागार में आज समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने इस बैठक में सभी विभागीय योजनाओं की प्रगति पर समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए।

बैठक में धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान की प्रगति , किसानों के लिए खाद बीज की उपलब्धता, खाद्यान्न वितरण, किसानों के पंजीयन सहित अन्य विषयों पर अद्यतन जानकारी प्राप्त करते हुए उन्होने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर वनमण्डलाधिकारी कोरिया चंद्रशेखर परदेशी, जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी और अपर कलेक्टर डीडी मण्डावी सहित अन्य जिलाधिकारी उपस्थित रहे। समय-सीमा बैठक में अधिकारियों को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए धरती आबा अभियान की समय-सीमा को 30 जून से बढ़ाकर आगामी 15 जुलाई तक किया गया है। इससे दूरदराज में रहने वाले आदिवासी समुदाय के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ ले जाने मे और सहूलियत होगी।

विभागीय अधिकारी अपने योजनाओं के लाभ से वंचित वर्ग को जोड़ने के लिए डोर टू डोर सर्वे अभियान आरंभ करें और जिन ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर आयोजित हो रहे हैं वहां अपने मैदानी अमले को प्रत्येक परिवार तक पहुंचने के लिए निर्देशित करें। इससे हमें प्रत्येक योजना अंतर्गत हितग्राहियों के सेचुरेशन मोड तक आने में आसानी होगी। आनलाइन इंट्री कार्य को बेहद सावधानी पूर्वक पूर्ण कराए जाने के निर्देश देते हुए श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि प्रत्येक किसान का एग्रीस्टेक में पंजीयन कराएं, खाद और बीज की उपलब्धता पर निरंतर निगरानी करने के निर्देश देते हुए उन्होने कहा कि परंपरागत धान की फसलों के अलावा दलहन और तिलहन की फसलों को प्रोत्साहित कर किसानों को इसके लिए तैयार करें। जल संरक्षण अभियान में निरंतर संरचनाएं बनाने के निर्देश देते हुए चंदन ने कहा कि ग्राम पंचायतों में प्लांटेशन के साथ ही सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

कलेक्टर के निर्देश पर शुरू हुई पहलः शाला प्रवेश के साथ ही बच्चों को मिल रहा जाति प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। स्कूली बच्चों को समय पर आवश्यक दस्तावेज प्रदान कर उनकी शिक्षा यात्रा को सुगम और अधिकारयुक्त बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा शिक्षा और सामाजिक अधिकारों को मजबूती देने की दिशा में एक सराहनीय पहल की जा रही है। चालू शैक्षणिक सत्र में जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों से प्राथमिक शालाओं में प्रवेश लेने वाले बच्चों को शाला प्रवेश के साथ ही जाति प्रमाण पत्र प्रदान किया जा रहा है। प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया को सरल और त्वरित बनाने हेतु एसडीएम द्वारा जाति प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं, जिन्हें बीईओ, सीएचसी के माध्यम से संबंधित विद्यालयों तक पहुंचाकर विद्यार्थियों को वितरित किया जा रहा है। जिले में अब तक आंगनबाड़ी से शाला में प्रवेश लेने वाले कुल 7,566 बच्चों को जाती प्रमाण पत्र जारी किया गया है। जिसके अंतर्गत अनुविभाग कोरबा में 2930, कटघोरा में 1293, पोड़ी उपरोड़ा में 1696 एवं पाली में 1647 शाला प्रवेशी बच्चों को जाति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है।

ऐसा प्रबंधन करें कि सड़कों पर न दिखे मवेशीः कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा है कि बारिश शुरू होते ही सड़कों पर मवेशियों के बैठने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय निकाय सहित इससे जुड़े सभी विभाग आपसी तालमेल से ऐसे प्रबंधन करें कि सड़कों पर मवेशियां नहीं दिखें। उन्होंने साप्ताहिक टीएल बैठक में इस आशय के निर्देश अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर ने कहा कि खेती किसानी का काम शुरू होने के साथ ही खाद, बीज एवं उर्वरक की मांग में वृद्धि हुई है। लिहाजा किसानों को इनकी आपूर्ति में सोसायटी अथवा निजी स्तर पर क्रय करने में कोई दिक्कत नहीं होने चाहिए। कृषि विभाग के साथ ही एसडीएम भी अपने स्तर पर इसकी नियमित मानीटरिंग करते रहें। जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, एडीएम शिवकुमार बनर्जी, सहायक कलेक्टर अरविंथ कुमारन डी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने बैठक में कहा कि अवैध तरीके से शासकीय जमीनों की खरीदी एवं नामांतरण करने वालों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज किया जाए। संबंधित एसडीएम अपने स्तर पर इसकी जांच करें और तथ्यों के आधार पर कठोर कार्रवाई करें। उन्होंने रजिस्ट्री और नामांतरण की नयी व्यवस्था के तहत आने वाली कठिनाईयों को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। श्री अग्रवाल ने कहा कि लोगों की सुविधा के लिए नई व्यवस्था लागू की गई है। प्राथमिकता के साथ इनमें आने वाली दिक्कतें दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि तीज त्योहार का मौसम शुरू होने वाले हैं। डीजे एवं अन्य किसी प्रकार के कोलाहल एवं ध्वनि प्रदूषण स्वीकार नहीं किए जाएंगे। संचालक एवं आयोजन समितियों की समय-समय पर बैठक लेकर उन्हें समझाइश दिया जाये। कलेक्टर ने माईनिंग एवं पुलिस विभाग को अवैध खनिज के विरूद्ध कार्रवाई लगातार जारी रखने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने कहा कि आगामी 14 जुलाई से विधानसभा का पावस सत्र शुरू होने जा रहा है। लिहाजा अधिकारी जवाब तैयार करने के लिए अपने कार्यालय में किसी को नामांकित कर इसकी सूचना जिला प्रशासन को दें। विधानसभा का जवाब सटीक तरीके से तैयार कर समय-सीमा में भिजवाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किये जा रहे वृक्षारोपण की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि छिटपुट के साथ आगामी 5 जुलाई को सामूहिक रूप से वृक्षारोपण किया जायेगा। जनप्रतिनिधियों एवं आम जनता की भागीदारी इसमें सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने बड़े आकार के पौधे लगाने के निर्देश दिए ताकि उनके बचने की संभावना ज्यादा रहे। एक-एक विभागवार वृक्षारोपण की तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से उद्योग एवं खदान क्षेत्र में ज्यादा संख्या में पौधे लगाने पर जोर दिया। उद्योगों के काम-काज का मूल्यांकन जल संरक्षण के लिए किये जा रहे प्रयास और वृक्षारोपण से किया जायेगा। उन्होंने संबंधित विभागों से एक-एक उद्योग एवं खदान मालिकों की सूची एवं पौधरोपण की सूची भी मांगी है। उन्होंने शासन की फ्लैगशीप योजनाओं में सेचुरेशन लेवल हासिल करने के निर्देश दिए।

आयुष्मान कार्ड की कम संख्या पर स्वास्थ्य विभाग के प्रति गहरी नाराजगी दिखाई। स्वास्थ्य अधिकारियों को दौरा कर प्रगति लाने के सख्त निर्देश दिए। लगभग एक तिहारी कार्ड बनाना अभी बचा हुआ है। कलेक्टर ने बैठक में खाद-बीज की आपूर्ति की समीक्षा की। कमी वाले सोसायटिओं में पहले सप्लाई के निर्देश दिए। उन्होंने उप संचालक को प्रतिदिन खाद-बीज के वितरण की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

बिना हेलमेट तथा बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने वालों पर किया जाए प्रभावी कार्यवाही - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। कलेक्टर हरिस एस ने कहा कि बिना हेलमेट तथा बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने वालों पर प्रभावी कार्यवाही किया जाए। इसके अलावा नगरीय क्षेत्र में मुख्य सड़क पर अतिक्रमण करने वालो पर निरंतर कार्यवाही नगर निगम करे और ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार कार्यवाही करें ।सोमवार की शाम जिला कार्यालय के आस्था सभा कक्ष में आयोजित जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने कहा कि शाम के समय शराब पीकर वाहन चलाने वालों के लिए सभी मुख्य मार्गों में जांच कर कार्रवाई किया जाना चाहिए। इसके साथ ही पर्यटन स्थलों के समीप भी शराब का सेवन कर वाहन चलाने वालों के वाहनों का निरीक्षण किया जाए। उन्होंने शहर से लगे हाईवे पर संकेतक बोर्ड लगाने, स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था पर भी चर्चा किया। कलेक्टर ने नगर निगम के अधिकारी को जगदलपुर शहर के प्रमुख चैराहों पर कार्यक्रम आयोजन की अनुमति नहीं देने के लिए निर्देश दिए ताकि आवागमन बाधित ना हो। उन्होंने महारानी अस्पताल में ट्रामा सेंटर की व्यवस्था को संचालित करने के भी निर्देश दिए। आवारा पशुओं की सड़कों को रोड से हटाने एवं कार्यवाही में कलेक्टर ने कहा कि पशुओं को काऊ कैचर से पकड़ कर कांजी हाउस में रखें और ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत से प्रस्ताव पास करवाकर स्थल को चिन्हित करवाएं ।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहलत उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

शादी के 20 दिन बाद ससुराल से दुल्हन प्रेमी संग भागी

बिलासपुर। मस्तूरी क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, पत्नी बीच रास्ते छोड़कर भाग गई। पीड़ित पति ने मामले की पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। घटना तोरवा थाना क्षेत्र की है। पीड़ित अंकित महिलांगे की महज 20 दिन पहले शादी हुई थी। शादी के बाद परंपरा के अनुसार उसकी पत्नी रंजिता जोशी अपने मायके गई। वहां से अपनी पत्नी को विदा करवा कर अपने घर ला रहा था कि बीच रास्ते में उसे तीन युवकों ने घेर कर हमला कर दिया। अंकित जब तक खुद को संभाल पाता, उसकी पत्नी बाइक से उतरकर हमलावर युवक के पीछे बैठकर वहां से रवाना हो गई। युवक का कहना है कि पत्नी ने खुद दूसरे युवक के कंधे पर हाथ रखा और पीछे मुड़कर तक नहीं देखा। जिसके बाद पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस केस दर्ज कर जांच में जुट गई है।

पिकनिक मनाने निकला युवक, प्रेमिका संग लगाई फांसी

जांजगीर-चांपा। जिले के धनेली गांव में युवक-युवती ने एक साथ पेड़ पर फांसी लगाकर आत्मत्या कर ली। दोनों के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। युवक की पहचान अमोरा निवासी शैलेन्द्र केवट के रूप में हुई है। वहीं महिला की पहचान रामकुमारी सिंह (36 वर्ष) सोहागपुर, कोरबा की रहने वाली थी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर जांच में जुट गई है। पूरा मामला पामगढ़ थाना क्षेत्र का है। जानकरी के मुताबिक, धनेली गांव के खड़ाखोडी तालाब के पास बबुल पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाले युवक-महिला, प्रेमी जोड़े हैं। मृतक शैलेन्द्र सोमवार को पिकनिक मनाने के लिए घर से निकला था। उसकी 3 महीने पहले ही शादी हुई थी। वहीं मौके पर मृत मिली महिला रामकुमारी सिंह के माथे पर सिंदूर देखा गया है। पुलिस ने सूचना के बाद मौके पर पहुंचकर शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

तालाब में डूबने से दो मासूम चचेरे भाइयों की मौत, गांव में मातम

महासमुंद। महासमुंद जिले के खल्लारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सोरम सिंघी में दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां तालाब में डूबने से दो मासूम चचेरे भाइयों की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई है, जबकि पीड़ित परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, मृतक बच्चों की पहचान 7 वर्षीय दुष्यंत निषाद और 8 वर्षीय द्रोण निषाद के रूप में हुई है। दोनों बच्चे स्कूल से लौटने के बाद गांव के अन्य 8-10 बच्चों के साथ तालाब में नहाने गए थे।

इस दौरान अचानक दोनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। दुर्घटना के समय वहां मौजूद अन्य बच्चों ने शोर मचाया, जिसकी आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तालाब की ओर दौड़े, लेकिन जब तक वे मौके पर पहुंचे, दोनों बच्चों की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पर खल्लारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को तालाब से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागबाहरा भेजा गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है।

रायपुर में चलती कार से बाहर फेंका युवक का शव लोगों ने दी पुलिस को सूचना, दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में अभी सूटकेस कांड का मामला पूरी तरह से सुलझा नहीं और एक और हत्या के मामले में पुलिस को चौंका दिया है। दरअसल मंगलवार की देर शाम कबीर नगर क्षेत्र में चलती कार से युवक की लाश फेंके जाने का मामला सामने आया है। आसपास के लोगों ने यह नजारा देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक एम्स पहुंचाया लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस मामले में पुलिस कार मालिक व एक युवती को हिरासत में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार मामला कबीर नगर थाना क्षेत्र के वाल्मीकि नगर इलाके का है। घटना 24 जून के शाम करीब 7 बजे की है। दरअसल पुलिस को सूचना मिली कि एक सफेद क्रेटा कार से सड़क में अचानक युवक को धकेल दिया गया। इसे देखने वाले लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस युवक को ढ्ढद्वह्य ले गई जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के हाथ में मंजीत लिखा हुआ था। सीसी टीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने कार व उसके मालिक का पता लगाया।

क्रेटा कार के मालिक का नाम संतोष मिश्रा है और पुलिस ने उसे हिरासत में लिया है। संतोष मिश्रा हीरापुर का रहने वाला है और कार में उसके साथ एक युवती साधना अग्रवाल भी सवार थी। पुलिस की पूछताछ में संतोष मिश्रा ने बताया कि मंदीप सिंह ड्राइवर का काम करता था। वह नशे का भी आदी था। घटना के पहले मंदीप ने अपनी नस में इंजेक्शन के माध्यम से नशीला पदार्थ ले रहा था। ओवरडोज होने से उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई इससे दोनों डर गए और उसे कार से नीचे फेंक दिया। इधर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पति-पत्नी में विवाद, बीच रास्ते में कर दी हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। रिश्तेदार के न्योते पर भोजन के बाद लौट रहे पति-पत्नी के बीच जंगल में चरित्र शंका पर विवाद हो गया। जिससे गुस्साए पति ने डंडे और ईंट से मारकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपित भागकर जंगल में छुप गया। इधर गांव के लोगों ने महिला की खून से सनी लाश देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस शव पीएम के लिए भेजकर गांव के लोगों से पूछताछ की। इसके बाद उसके पति को जंगल से गिरफ्तार किया गया है। आरोपित को न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा गया है।

बेलगहना चौकी प्रभारी एसआइ राज सिंह ने बताया कि छतौना के रगरापारा में रहने वाला पंचराम सौता(40) किसान है। रविवार की रात वह रिश्तेदार के घर न्योता पर भोजन के लिए गया था। भोजन के बाद वह अपनी पत्नी रातबाई को लेकर घर लौट रहा था। सुबह तक दोनों घर नहीं पहुंचे। इधर सोमवार की सुबह गांव के लोगों ने रातबाई की खून से सनी लाश जंगल में देखा। तत्काल इसकी सूचना रातबाई के मायके वालों को दी गई। साथ ही पंचराम की तलाश की गई। पंचराम अपने घर से गायब था। इधर महिला की लाश मिलने की सूचना पर पुलिस की टीम गांव पहुंच गई। पुलिस ने शव पीएम के लिए भेज दिया।

पुलिस की पूछताछ में पता चला कि पंचराम और रातबाई के बीच आए दिन विवाद होता था। रविवार को रिश्तेदार ने दोनों को भोजन के लिए अपने घर बुलाया था। जहां से भोजन के बाद दोनों घर लौट रहे थे। इसके बाद से पंचराम गायब है। प्राथमिक पूछताछ के आधार पर पुलिस ने पति को संदेही मानकर उसकी तलाश शुरू कर दी। आरोपित अपने घर के पीछे जंगल में छुपा था। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपित ने बताया कि घर लौटते समय चरित्र शंका को लेकर उसने लाठी और ईंट से मारकर पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस से बचने के लिए वह जंगल में छुपा था। आरोपित की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त डंडा जब्त कर लिया गया है। आरोपित को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों का बड़ा खुलासाः फर्जी दस्तावेजों के जरिए रह रहे थे दंपत्ति, पुलिस को मिले अहम सुराग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को लेकर एक बड़ा मामला सामने आया है। टिकरापारा थाना पुलिस ने एक बांग्लादेशी दंपत्ति को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की थी। अब इस मामले में पुलिस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, कई चौंकाने वाली जानकारियां सामने आ रही हैं। पुलिस और एटीएस की संयुक्त पूछताछ में यह सामने आया है कि रायपुर में बांग्लादेश से आए और भी लोग रह रहे हैं, जिनकी जांच अब तेज़ कर दी गई है।

फर्जी दस्तावेजों से बनाई थी पहचान, 35 साल की उम्र में बनवाई थी आठवीं की मार्कशीट गिरफ्तार बांग्लादेशी युवक मो. दिलावर और उसकी पत्नी ने भारत में अवैध रूप से बसने के लिए फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया। पूछताछ में यह सामने आया कि दिलावर ने 35 साल की उम्र में खुद को छात्र बताकर कक्षा आठवीं की फर्जी मार्कशीट बनवाई थी। यह मार्कशीट रीवा (मध्य प्रदेश) के चाकघाट स्थित एक प्राइवेट स्कूल के नाम पर बनवाई गई थी। हालांकि जब पुलिस की एक टीम रीवा जाकर चाकघाट पहुंची, तो पाया कि वहां उस नाम का कोई भी प्राइवेट स्कूल अस्तित्व में नहीं है। इससे यह स्पष्ट हो गया कि मार्कशीट पूरी तरह से फर्जी और बनावटी है, जिसे दस्तावेजी पहचान के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा था।

ATS और थाना पुलिस की संयुक्त पूछताछ, दस्तावेजों की गहन जांच गिरफ्तार दंपत्ति की पुलिस रिमांड पूरी होने के बाद उन्हें फिर से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इससे पहले पुलिस और ,ञ्जस्न अधिकारियों ने आरोपियों से गहन पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कुछ और बांग्लादेशी नागरिकों के नाम और लोकेशन बताए जो रायपुर के अलग-अलग इलाकों में छिपकर रह रहे हैं। इस इनपुट के आधार पर पुलिस ने छापेमारी शुरू कर दी है और टिकरापारा थाना समेत अन्य संबंधित थानों में बांग्लादेशी नागरिकों के दस्तावेजों की जांच चल रही है। पूछताछ में मिले सुरागों से यह भी संकेत मिले हैं कि इन लोगों ने राशन कार्ड, आधार कार्ड, स्कूल प्रमाणपत्र जैसे कई फर्जी दस्तावेज बनवा रखे हैं, जिनका उपयोग वे सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और पहचान छिपाने में कर रहे थे।

पुलिस की आने वाले दिनों में बड़ी कार्रवाई की संभावना पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ में कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं, जिसके आधार पर आने वाले दिनों में बड़ी कार्रवाई की जा सकती है। सुरक्षा एजेंसियां इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए घुसपैठ, जालसाजी, फर्जीवाड़ा, और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के नजरिए से जांच कर रही हैं।

सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा बांग्लादेशी नागरिकों का इस प्रकार फर्जी दस्तावेजों के सहारे भारत में प्रवेश कर रहना न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी बेहद चिंताजनक है। पुलिस और प्रशासन अब इस मामले में गहराई से जांच कर रही है ताकि ऐसे नेटवर्क को तोड़ा जा सके जो इन अवैध घुसपैठियों की भारत में एंट्री और बसने की व्यवस्था करता है। चूंकि एफआईआर टिकरापारा थाने में दर्ज की गई है, इसलिए जांच की मुख्य कमान इसी थाने के पास है। थाना प्रभारी समेत अन्य जांच अधिकारी हर पहलू पर बारीकी से नजर बनाए हुए हैं और दस्तावेजों की सत्यता की जांच के लिए दूसरे राज्यों की एजेंसियों से भी समन्वय किया जा रहा है।

असामाजिक तत्वों ने किया पंचायत भवन को आग के हवाले

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। कुरुद ब्लॉक के हंकारा ग्राम पंचायत भवन में मंगलवार देर रात आगजनी की घटना ने पूरे गांव को हिला कर रख दिया। बताया गया है कि अज्ञात असामाजिक तत्वों ने पंचायत भवन को निशाना बनाते हुए पीछे की खिड़की से अंदर घुसकर दफ्तर में आग लगा दी।

वहीं इस आगजनी की घटना से पंचायत भवन में रखे महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज, कंप्यूटर, आलमारी, फाइलें, कुर्सियां और टेबल सब कुछ देखते ही देखते जलकर खाक हो गए। चौंकाने वाली बात यह है कि हमलावर सीधे मुख्य दरवाजे से नहीं बल्कि पीछे की खिड़की से कूदकर अंदर घुसे और घटना को अंजाम दिया जिससे स्पष्ट है कि पूरी वारदात पूर्व-नियोजित और गहरी साजिश के तहत की गई।

घटना की सूचना मिलते ही कुरुद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जाँच शुरू कर दी है। वहीं पुलिस का कहना है कि आगजनी करने वालों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज और गवाहों से पूछताछ की जा रही है। इस आगजनी ने न सिर्फ सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाया बल्कि गांव के प्रशासनिक तंत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। गांव में इस घटना के बाद डर और गुस्से का माहौल है। ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द दोषियों को गिरफ्तार कर सखूत से सख्त सजा दी जाए।

आइसक्रीम का लालच देकर 9 साल की मासूम से दुष्कर्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से एक शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां आइसक्रीम खिलाने का लालच देकर 9 साल की मासूम बच्ची के साथ एक व्यक्ति ने दरिंदगी किया। मामले की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी गिरफ्तार किया और उसे जेल भेज दिया है। यह मामला दर्री थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी आरोपी 54 वर्षीय संजीव गुप्ता, जो एक परिचित के घर घूमने गया था, जहां पीड़िता की मां और 9 साल की मासूम घर पर थी। मां घर के काम करने लगी और बेटी बाहर आंगन में खेल रही थी। तभी संजीव गुप्ता ने बच्ची को आइसक्रीम खिलाने के बहाने एक सुनसान जगह पर ले गया और उसके साथ गलत काम किया। जिसके बाद बच्ची ने घर पहुंचकर अपनी मां को बताया कि अंकल ने बैड टच किया। इसके बाद परिजनों ने तुरंत दर्री थाने में शिकायत दर्ज कराई।

मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर ने बताया कि आरोपी संजीव गुप्ता के खिलाफ पोस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी ने नाबालिग को लालच देकर अपने साथ लेकर गया और उसके साथ गलत काम किया। पीड़िता ने अपने परिजनों को इस संबंध में बताया। जिसके बाद पीड़िता और परिजनों ने थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस ने चलाया ऑपरेशन साइबर शील्ड, 11 युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आईजी अमरेश मिश्रा के निर्देशन में साइबर अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ ऑपरेशन साइबर शील्ड के अंतर्गत लगातार कार्यवाही जारी है। म्यूल अकाउंट से संबंधित प्रकरण में थाना सिविल लाइन रायपुर के अपराध क्रमांक 44/25 एवं 129/25, सिटी कोतवाली के अपराध क्रमांक 45/25 धारा-317(2), 317(4), 317(5), 111, 3(5) भारतीय न्याय संहिता की विवेचना रेंज साइबर थाना रायपुर द्वारा की जा रही है।

पुलिस विवेचना में अपराध में संलिप्त म्यूल बैंक अकाउंट में पंजीकृत मोबाइल नंबर की जानकारी संबंधित सिम सेवा प्रदाता कंपनी से प्राप्त की गई। प्राप्त जानकारी के तकनीकी विश्लेषण के आधार पर अपराध में संलिप्त पाए जाने पर सिम कार्ड विक्रेता, सिम POS एजेंट, संवर्धक को राजस्थान, मध्यप्रदेश, रायपुर, दुर्ग, धमतरी से गिरफ्तार किया गया है।

मिली अपराध का तरीका गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि नया सिम लेने/सिम पोर्ट कराने वाले ग्राहकों का डबल थंब स्कैन/आई ब्लिंक कर ई केवाईसी के माध्यम से सिम चालू करते थे। तथा जिस कस्टमर के पास आधार कार्ड की फिजिकल कॉपी होती थी उसका विवरण स्वयं ही वेरीफाई कर डी केवाईसी के माध्यम से अतिरिक्त सिम चालू करते थे। इन फर्जी सिम को म्यूल अकाउंट के ब्रोकर/संवर्धक/संचालकों को बेचते थे जिन्हें पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है।

गिरफ्तार आरोपी में नितेश कुमार शर्मा पिता कमलेश कुमार शर्मा उम्र 26 वर्ष पता बागौर बहमोरी, तहसील नागौती, जिला करौली, राजस्थान, पीयूष पांडे पिता तिलक राज पांडे उम्र 28 वर्ष पता वार्ड नंबर 9, कोनिया, सतना, मध्यप्रदेश, हरविंदर भाटिया पिता जिन्दर पाल भाटिया उम्र 37 वर्ष पता वार्ड नंबर 25, संतरा बाड़ी, दुर्ग, दिलावर सिंह संधू पिता जगजीत सिंह संधू उम्र 23 वर्ष पता हाउसिंह बोर्ड आईई। भिलाई, दुर्ग, उदय राम यदु पिता कार्तिक राम यदु उम्र 31 वर्ष पता राम नगर, न्यू चंगोराभाठा, डीडी नगर, रायपुर, आशीष कलवानी पिता रमेश लाल कलवानी, उम्र 30 वर्ष पता खोखोपारा, पुरानी बस्ती, रायपुर, चंदन कुमार सिंह पिता अजीत सिंह उम्र 25 वर्ष पता रामेश्वर नगर, भनपुरी, रायपुर, सचिन गिरी पिता रूपेश गिरी उम्र 21 वर्ष पता आदर्श नगर, झंडा चौक, मोवा, रायपुर, वैभव साहू पिता सुरेश कुमार साहू उम्र 25 वर्ष पता सुभाष नगर, कसारीडीह, दुर्ग, सूरज मारकण्डे पिता धर्मेन्द्र मारकण्डे उम्र 20 वर्ष, पता मिनीमाता वार्ड कचना, कुरूद, धमतरी व अतहर नवाज पिता फजल अली उम्र 38 वर्ष पता ओल्ड धमतरी रोड, मठपुरैना रायपुर शामिल है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

(रा.प्र.क्र.202506101000178 अ/6 वर्ष 2024-25)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक -श्रीमती हेमलता देवांगन पति दुलेन्द्र देवांगन निवासी-शिव मंदिर के पास मुरूम खदान भिलाई द्वारा ग्राम-कुरूद प.ह.नं. 46 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 704/1 कुल रकबा 0.0952 हे. मे.से. 0.013 हे./1500 वर्गफीट भूमि को रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर दिनांक 31.12.2024 के आधार पर विक्रेता बिजेराम पिता पुराऊ साहू निवासी-पुरानी बस्ती कुरुद भिलाई से क्रय किया गया है, कि रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि को पंजीयन के आधार पर नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 17/07/2025 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/06/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 17.06.2025

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 07.07.2025 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
87/दुर्ग (दुर्ग)/2025	उपसभाग क्र. 03 दुर्ग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में व्हाईट वाशिंग, कलर वाशिंग, डिस्टेम्परिंग एवं पेंटिग	30.00
88/दुर्ग (बेमे.)/2025	नवागढ़ संभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में विशेष मरम्मत कार्य	15.00
89/दुर्ग (बेमे)/2025	बेमेतरा संभाग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का रंगाई पोताई कार्य	30.00
90/दुर्ग (बेमे)/2025	बेमेतरा उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत / लघू मूल गौण कार्य	15:00
91/दुर्ग (बेमे)/2025	साजा उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में साधारण मरम्मत / लघू मूल गौण कार्य	12.78
92/दुर्ग (बेमे)/2025	बेमेतरा संभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू एम.एम. एवं बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	39.63
93/दुर्ग (बेमे)/2025	साजा उपसंभाग के अंतर्गत सोनपुरी देउरगांव मार्ग एवं देवकर साजा खम्हरिया मार्ग डब्ल्यू एम.एम. एव बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	15.00
94/दुर्गबेमे.)/2025	कुटुम्ब न्यायालय बेमेतरा के कर्मचारी के लिए 02 नग जी, 04 नग एच, 05 नग आई टाईप शासकीय आवास गृह का निर्माण कार्य	125.08
95/दुर्ग (राज.)/2025	लोक निर्माण विभाग संभाग राजनांदगांव के अंतर्गत रोड मार्किंग एवं रोड सेफ्टि बोर्ड का कार्य	28.18
96/दुर्ग (राज.)/2025	लोक निर्माण विभाग संभाग राजनांदगांव के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत कार्य	45.00
97/ दुर्ग (राज.)/2025	जिला राजनांदगांव के बी.सी. डायवर्सन मार्ग लं. 2.00 कि.मी. का मजबूतीकरण कार्य	162.15

टीप
1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब **portal** एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग

जी - 252601755/8

छत्तीसगढ़ के विकास के लिए मध्य क्षेत्रीय परिषद बना सार्थक मंच : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह परिषद केन्द्र और राज्यों के बीच सहयोग और समन्वय का सशक्त मंच बन चुकी है, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ सहित मध्य भारत के विभिन्न क्षेत्रों के विकास को नई दिशा मिली है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में मध्य क्षेत्रीय परिषद ने ठोस योगदान दिया है। छत्तीसगढ़ राज्य की अर्थव्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा, सांस्कृतिक पर्यटन और बुनियादी ढांचे के विकास में परिषद की भूमिका निर्णायक रही है।

विकास और सुशासन की दिशा में ठोस कार्य

मुख्यमंत्री ने परिषद को अवगत कराया कि पिछली बैठक में दिए गए सुझावों पर तेजी से अमल हुआ है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 28 नई बैंक शाखाएं, डॉयल-112 सेवा का विस्तार, 82 हजार से अधिक बच्चों को कुपोषण से बाहर निकालना जैसी उपलब्धियाँ राज्य के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजनों ने स्थानीय खेल और सांस्कृतिक प्रतिभाओं को मंच दिया है। आयुष्मान भारत योजना के तहत 87.2 प्रतिशत नागरिकों को कार्ड वितरित किए जा चुके हैं, और 1075 में से 1033 शासकीय अस्पताल इससे जोड़े जा चुके हैं।

ऊर्जा, निवेश और औद्योगिक विकास में राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद राज्य को अब तक 5.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें 3.5 लाख करोड़ पावर सेक्टर से हैं। छत्तीसगढ़ देश में विद्युत उत्पादन में दूसरे स्थान पर है और 2030 तक प्रथम स्थान का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में 23 घंटे 27 मिनट और शहरी क्षेत्रों में 23 घंटे 51 मिनट की औसत विद्युत आपूर्ति राज्य के ऊर्जा प्रबंधन की दक्षता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत 6 लाख घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का कार्य प्रगति पर है।

सुगम सेवाएँ, सशक्त पंचायतें और नई श्वेत क्रांति

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में डेढ़ लाख से अधिक सोलर कृषि पंप किसानों को सिंचाई सुविधा प्रदान कर रहे हैं। एनडीडीबी के साथ हुए एमओयू से राज्य में दुग्ध उत्पादन में नया विस्तार होगा। अटल डिजिटल सुविधा केंद्र पंचायतों में डिजिटल सुशासन के सेतु बन रहे हैं और लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2011 के प्रभावी क्रियान्वयन से सेवाओं की पारदर्शी और समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित हुई है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के अभियान में पूरी निष्ठा से सहभागी है। मध्य क्षेत्रीय परिषद के माध्यम से संवाद और समन्वय का यह मंच छत्तीसगढ़ को और भी आगे ले जाने में सहायक सिद्ध हो रहा है।

नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक बढ़त

मुख्यमंत्री साय ने नक्सल समस्या पर बोलते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय से छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध बड़ी सफलता मिली है। बसवराजू और सुधाकर जैसे शीर्ष नक्सली नेताओं के न्यूट्रलाइज होने को उन्होंने नक्सलवाद की रीढ़ टूटने जैसा करार दिया। उन्होंने बताया कि बस्तर के विकास के लिए बोधघाट-महानदी इंद्रावती लिंक जैसी कई हजार करोड़ की परियोजनाओं पर भी हम काम कर रहे हैं। रावघाट-जगदलपुर रेललाइन परियोजना को मिली मंजूरी भी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल से श्रवण दोष पीड़ित बुंदा लकड़ा को मिला श्रवण यंत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर स्थापित बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और आवश्यक सहायताएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निरंतर सक्रिय है। इसी क्रम में जशपुर जिले के पत्थलगांव तहसील अंतर्गत ग्राम पाकरगांव निवासी श्रवण बाधित श्रीमती बुंदा लकड़ा को श्रवण यंत्र प्रदान कर राहत पहुंचाई गई।

श्रीमती लकड़ा ने कैंप कार्यालय में आवेदन देकर अपनी समस्या साझा की थी। उन्होंने बताया कि सुनने में असमर्थता के कारण उन्हें दैनिक जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उनके आवेदन को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय द्वारा तत्काल कार्रवाई की गई और संबंधित टीम ने उनके गांव पहुंचकर उन्हें श्रवण यंत्र प्रदान किया।

श्रवण यंत्र मिलने पर बुंदा लकड़ा ने अत्यंत खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह सहयोग उनके लिए 'एक नई जिंदगी की शुरुआत' जैसा है।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय आम जनता के जीवन को सुगम और सम्मानजनक बनाने की दिशा में संवेदनशीलता व समर्पण के साथ कार्य कर रहा है, जो जनसेवा की दिशा में एक प्रभावी पहल साबित हो रही है।

प्रदेश में मानसून के दस्तक के साथ ही खेती-किसानी का सिलसिला शुरू

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश : किसानों को उनकी मांग के अनुरूप सुगमता से मिले खाद-बीज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में मानसून के दस्तक के साथ ही खेती किसानी का सिलसिला शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों को खेती-किसानी में सहुलियतें प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक सहयोग करने संबंधित अधिकारियों निर्देशित किए गए हैं। उन्होंने किसानों को उनकी मांग के अनुसार सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण करने के निर्देश दिए हैं। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। प्रदेश के किसानों को अब तक 6.58 लाख मीट्रिक टन खाद और 3.68 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में मानसून की बौछारों के साथ शुरू हुए खेती-किसानी में बोनी का रकबा भी निरंतर बढ़ते जा रहा है। राज्य में अब तक 6.04 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों की बोनी हो चुकी है। राज्य सरकार द्वारा इस खरीफ सीजन में 48.85 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों की बोनी का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि 23 जून 2025 की स्थिति में प्रदेश में अब तक 62.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि प्रदेश की औसत वार्षिक वर्षा 1238.7 मिमी है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष खरीफ 2025 के लिए प्रदेश में 4.95 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरण का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 6 लाख क्विंटल बीज का भंडारण कर अब तक 3.68 लाख क्विंटल बीज का वितरण किसानों को किया जा चुका है, जो मांग का 74 प्रतिशत है। खरीफ वर्ष 2024 में राज्य में बीज निगम से 4.64 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया गया था।

इसी प्रकार प्रदेश में इस खरीफसीजन में 14.62 लाख मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उक्त लक्ष्य के विरूद्ध 11.36 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का सहकारी एवं निजी क्षेत्रों में भंडारण किया गया है। उक्त भंडारण के विरूद्ध 6.58 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किसानों को किया जा चुका है, जो लक्ष्य का 45 प्रतिशत है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कृषि विभाग की समीक्षा बैठक में प्रदेश के किसानों को सुगमता से उनकी मांग के अनुरूप खाद-बीज सुगमता से उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। खाद-बीज वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही सोसायटियों में पर्याप्त खाद-बीज का भण्डारण कर सतत निगरानी करने को कहा है।

उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन हेतु आधार ऑपरेटर प्रियंका सिंह को मिला एक्सीलेंस अवॉर्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। डिजिटल इंडिया अभियान को और अधिक सशक्त बनाने तथा आधार के व्यापक उपयोग को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ''डिराइविंग मैक्सिमम इंपेक्ट आउट ऑफ आधार'' विषय पर यूआईडीएआई रीजनल ऑफिस हैदराबाद के द्वारा वर्कशॉप का आयोजन रायपुर न्यू सर्किट हाउस सिविल लाइन में किया गया।

जिसमें यूआईडीएआई के सीईओ भुवनेश कुमार, डीडीजी श्रीमती पी संगीता, प्रिंसिपल सेक्रेटरी ऑफ ई एंड आईटी गवर्नमेंट ऑफ छत्तीसगढ़ निहारिका बारिक के द्वारा आधार के माध्यम से डिजिटल इंडिया के सपने को साकार कर विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ एवं भविष्य में किए जाने वाले नए-नए इनोवेशन के बारे में बताया गया। जिससे आधार के माध्यम से आम नागरिकों को डिजिटल माध्यम से सुविधा मिल सके।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर सूरजपुर में होंगे पुल और सड़क निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में आधारभूत संरचना के विकास को नया आयाम मिलने जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के सतत् प्रयासों से लोक निर्माण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कुल 48 करोड़ 72 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि से जिले में महत्वपूर्ण सड़कों और पुलों का निर्माण किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को नई रफ्तार मिलेगी।

प्रमुख स्वीकृत कार्यों में एन.एच. 43 से नया कृष्ण मंदिर सिलफिली बनारस रोड तक 5 किलोमीटर लंबे पहुँचमार्ग का निर्माण कार्य, जिसकी लागत 690.68 लाख रूपये है। इसी प्रकार एन.एच. 43 से मायापारा दुर्गाबाड़ी होते हुए रविंद्र नगर (नवापारा) तक 4 किलोमीटर का पहुँच मार्ग 448.95 लाख रूपए की लागत से तैयार किया जाएगा। बीरमताल से उमेशपुर के बीच गोबरी नदी पर पुलिया निर्माण कार्य हेतु 307.19 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है।

इसी तरह 761 लाख रूपए की लागत से पकनी चेन्द्रा चौड़ीकरण, 593 लाख रूपए की लागत से कुप्पा जमघरपारा से चौकीदार पारा नवा पारा, गिरहूलपारा (6.10 किलोमीटर पुल-पुलिया) सहित निर्माण, 419 लाख रूपए की लागत से हरिपुर से छतरंग पहुंच मार्ग में कागज नाला पर पुलिया निर्माण, 510 लाख रूपए की लागत से सिरसी से कुसमुसी मार्ग पर गोबरी नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण, 741 लाख रूपए की लागत से लांजित से सौहार मार्ग पर महान नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण और सुंदरपुर-शौंकी-नेवटाली-सलका मार्ग (लंबाई 4.10 किमी) पर डब्ल्यू.बी.एम. एवं डामरीकरण कार्य 403 लाख रूपए से निर्मित होने वाली शामिल हैं।

इन कार्यों के स्वीकृत होने पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से सूरजपुर जिले के ग्रामीण अंचलों में आवागमन सुगम होगा और स्थानीय लोगों को यातायात की बेहतर सुविधा मिलेगी। साथ ही, व्यापार और कृषि से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास के हर वादे को धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। इन परियोजनाओं से जुड़े निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किए जाएंगे, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे और क्षेत्रीय विकास को नई दिशा मिलेगी।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में गर्भवती महिलाओं का किया गया सम्पूर्ण जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। मातृ-मृत्यु दर को कम किये जाने हेतु प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का विशेष आयोजन जिले के समस्त विकास खण्ड में किया जा रहा है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं में उच्च जोखिम वाले महिलाओं की पहचान कर विशेषज्ञ एवं प्रशिक्षित चिकित्सकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण सम्पूर्ण जांच एवं प्रबंधन सुनिश्चित करना है। उच्च जोखिम श्रेणी में आने वाली गर्भवती महिलाओं का समुचित प्रबंधन एवं सुनियोजित संदर्भन सुनिश्चित कर राज्य में मातृ मृत्यु अनुपात को कम किया जा रहा है।

जिसके तहत प्रत्येक माह के 09 एवं 24 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस का आयोजन जिले के समस्त जिला अस्पताल, एमसीएच अस्पताल, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा चिन्हांकित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में किया जा रहा है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस को प्रत्येक विकासखंड के प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में उत्सव के रूप में मनाया गया। जिसमें स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा गर्भवती महिलाओं का संपूर्ण जांच कर सुरक्षित मातृत्व हेतु परामर्श प्रदान किया गया। इस दौरान प्रत्येक गर्भवती महिलाओं की आवश्यक जांच, हिमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, शुगर, सिकलिन, मलेरिया, एचआईव्ही, वजन, ऊंचाई, टैबलेट आयरन, कैल्शियम और अपने शरीर की स्वच्छता के बारे में महिला चिकित्सा द्वारा विशेष रूप से उपचार काउंसलिंग की गई। इसके अलावा उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं का निजी सोनोग्राफी सेंटरों में निः शुल्क जांच भी कराया गया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा हितग्राहियों के खान-पान की संपूर्ण व्यवस्था की गई थी। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान प्रत्येक विकासखंड के स्वास्थ्य केन्द्रों में आयोजित किया किया गया। जिसका जिला स्तरीय डॉक्टरों एवं विशेषज्ञों ने निरीक्षण किया। जिसमें सीएमएचओ डॉ.अनिल कुमार जगत ने सिविल अस्पताल खरसिया एवं रायगढ़ शहरी क्षेत्र, डॉ.भानू प्रताप पटेल, जिला परिवार कल्याण अधिकारी द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चपले, डॉ.टी.जी.कुलवेदी, जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घरघोड़ा एवं तमनार, डॉ.सुमित कुमार मण्डल, जिला नोडल अधिकारी द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंन्द्र धरमजयगढ़, डॉ.केनन डेनियल द्वारा सामुदयिक स्वास्थ्य केन्द्र लैलूंगा, सुश्री रंजना पैंकरा जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पुसौर एवं डॉ.सोनाली मेश्राम शहरी जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा रायगढ़ शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों में गर्भवती महिलाओं के समस्त जांच, परामर्श एवं दवाइयों के वितरण संबंधी जानकारी ली।

तनाव दूर कर प्रसव हेतु मानसिक रूप से तैयार करने कराया गया विजिट

सीएमएचओ डॉ.अनिल कुमार जगत ने बताया कि जिले के समस्त सामुदायिक केंद्र व एमसीएच में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान गर्भवती महिलाओं को लेबर रूम और ऑपरेशन थियेटर का विजिट कराया गया। जिससे उनका प्रसव संबंधी तनाव कम हो और उन्हें सुरक्षित प्रसव के लिए मानसिक रूप से तैयार किया जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने सभी गर्भवती महिलाओं से सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने हेतु अभियान का लाभ उठाने की अपील की है।

धरती आबा अभियान बना आदिवासी अंचलों की आशा की किरण, पांच वर्षीय राकेश को मिला पहचान का अधिकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कबीरधाम जिले के वनांचल में स्थित बोडला विकासखंड के ग्राम खैरबनाखुर्द के एक छोटे से परिवार के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान उम्मीदों की नई रोशनी बनकर सामने आया। इस अभियान के तहत ग्राम घोंघा में आयोजित शिविर में फगनू पटेल के पांच वर्षीय पुत्र राकेश पटेल का आधार कार्ड बनाकर उसे पहचान का अधिकार प्रदान किया गया।

पिछड़े और दूरस्थ वन ग्रामों में अक्सर मूलभूत पहचान दस्तावेजों की अनुपलब्धता के कारण ग्रामीण कई कल्याणकारी योजनाओं से वंचित रह जाते हैं। फगनू पटेल का परिवार भी ऐसी ही परिस्थिति में जी रहा था। लेकिन धरती आबा अभियान के माध्यम से पहली बार ऐसा अवसर मिला जब शासन स्वयं उनके द्वार तक पहुंचा।

ग्राम घोंघा में आयोजित जागरूकता एवं संतृप्ति शिविर में जब आधार नामांकन की सुविधा उपलब्ध कराई गई, तब फगनू पटेल अपने बेटे राकेश को लेकर पहुंचे। वहीं राकेश का नामांकन करते हुए उसका आधार कार्ड बनाया गया, जो अब भविष्य में उसे शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, बैंकिंग और अनेक अन्य जरूरी सेवाओं के लिए काम आएगा।

फगनू पटेल ने हृदय से राज्य शासन और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब मेरे बेटे राकेश का भी एक पहचान है। गाँव मे बसे ग्रामीणों के जनकल्याण के लिए सरकार की योजनाएं पहुंच रही हैं, यह हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। इसके लिए भारत सरकार, राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950